संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 200
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग मामले में 3 संदिग्ध कोटा से पकड़े गए

•मुंबई में मिली वारदात में इस्तेमाल बाइक

एजेंसी

मुंबई/कोटा। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में जांच एजेंसियों को अहम सुराग मिले हैं। कोटा पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इनमें दो हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए तीन लोगों में से दो पर फायरिंग करने का संदेह है। वहीं, मुंबई क्राइम ब्रांच मामले की जांच के लिए राजस्थान और गुजरात में अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद संदिग्ध एसवी रोड से विले पार्ले और अंधेरी होते हुए फरार हुए थे। इसके बाद उन्होंने अपनी बाइक अंधेरी वेस्ट रेलवे स्टेशन के पास छोड़ दी और बोरीवली जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए। जांच के दौरान पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद कर ली है। मामले में तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

वारदात से पहले रेकी करने का शक

जांच एजेंसियों को आशंका है कि आरोपियों ने फायरिंग से पहले



टाइगर श्रॉफ की गतिविधियों पर नजर रखी थी। पुलिस के अनुसार, उन्हें अभिनेता के रविवार को जुहू स्थित फुटबॉल ग्राउंड आने की जानकारी थी। इसी आधार पर पुलिस वारदात की योजना और आरोपियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

फायरिंग में टाइगर और ड्राइवर को लगी चोट

जानकारी के मुताबिक, शाम करीब 7 बजे तीन लोगों ने टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की थी। अभिनेता को गोली नहीं लगी, लेकिन बारूद और कांच के टुकड़ों से उनके बाएं हाथ में चोट आई। घटना के दौरान उनके ड्राइवर को भी चोटें आईं।

इस मामले में लॉरेंस गैंग की ओर से जिम्मेदारी लेने की बात भी सामने आई है। हालांकि, पुलिस जांच में आरोपियों की भूमिका और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पुष्टि होना बाकी है।

टाइगर श्रॉफ पर हमला गंभीर और निंदनीय: सीएम फडणवीस



एजेंसी

नागपुर । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले की निंदा की है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि हमलावरों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। पुलिस को कुछ सुराग मिले हैं। हमलावरों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह एक बहुत ही गंभीर और निंदनीय मामला है। मुंबई पुलिस ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है। पुलिस को हमलावरों के बारे में कुछ सुराग मिले हैं। उन्हीं के आधार पर मुंबई पुलिस काम कर रही है। हमलावरों की पहचान भी कर ली गई है और उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।' सीएम फडणवीस ने चेतावनी दी कि कोई भी गैंग हो या कोई भी व्यक्ति हो, किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। अगर कोई धमकियां देकर कोई डराने का काम करता है, तो मुंबई पुलिस जानती है कि उसे कैसे सीधा करना है।

टाइगर श्रॉफ गोलीबारी के समय गाड़ी में नीचे झुकने के कारण बचे, शीशे के टुकड़े से लगी चोट: मुंबई पुलिस

मुंबई । मुंबई के जुहू इलाके में कार पर हुई गोलीबारी की घटना में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की जान गाड़ी में आगे की तरफ झुक जाने के कारण बच पाई। मुंबई पुलिस ने सोमवार को बताया कि आगे की तरफ झुकने के कारण ही टाइगर को गोली नहीं लगी, जिससे उनकी जान बच गई। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शूटर जब फायरिंग कर रहे थे, उस समय अभिनेता टाइगर को थोड़ा समय मिला और वो आगे की तरफ झुक गए। इसी वजह से उन्हें गोली नहीं लगी। वहीं, उन्हें शीशे का टुकड़ा लगा था, जिस वजह से उन्हें चोट लगी।

फॉरेंसिक जांच: टाइगर श्रॉफ की कार पर की गई 7 राउंड फायरिंग, देशी पिस्तौल जाम होने से बची जान

• इसकी वजह से शूटर ने दो बार गोली चलाने की कोशिश की लेकिन फायर नहीं हो सका।



एजेंसी

मंबई । बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में हुई फायरिंग के मामले में नया खुलासा हुआ है। फॉरेंसिक जांच के मुताबिक हमलावरों ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ की बीएमडब्लू कार पर देशी पिस्तौल (कॉपी पीस) से फायरिंग की थी। इस हमले में जैकी श्रॉफ के ड्राइवर व केयरटेकर फिरदौस और एक अन्य व्यक्ति घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक सवार तीन हमलावरों ने कार के सामने के विंडशील्ड और साइड की खिड़की को निशाना बनाते हुए कुल 7 राउंड फायरिंग की थी, इनमें से 5 गोलियां कार में लगीं जबकि 2 गोलियां निशाने से चूक गईं। पांचवीं गोली चलाने के बाद पैसेंजर साइड की खिड़की के सबसे करीब मौजूद शूटर कार के पास पहुंचा और टाइगर श्रॉफ पर बेहद करीब से गोली चलाने की कोशिश की। हालांकि, कथित तौर पर पिस्तौल जाम हो गई। इसकी वजह से शूटर ने दो बार गोली चलाने की कोशिश की लेकिन फायर नहीं हो सका। माना जा रहा है कि हथियार में आई इस खराबी के चलते अभिनेता पर बेहद करीब से गोली चलने से बच गई। इसके बाद दोनों शूटर उस मोटरसाइकिल पर फरार हो गए, जिसे कथित तौर पर उनके तीसरे साथी ने पहले से तैयार रखा था। वहीं, मुंबई पुलिस ने अंधेरी रेलवे स्टेशन के बाहर से दोपहिया वाहन जब्त कर लिया है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़ी गोलीबारी की घटना में किया गया था।

ग्वालियर शीतला माता मंदिर हादसे से सिंधिया व्यथित, श्रद्धालुओं की मौत पर जताया दुख

• 'भारत को कभी नहीं तोड़ सकतीं विरोधी ताकतें', पाकिस्तानी झंडों के साथ कांग्रेस के झंडे दिखने पर बोले किरेन रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लंदन में हुए एक विरोध प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि लंदन में विरोध प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के झंडों के साथ कांग्रेस पार्टी के झंडे भी लगाए गए थे। रिजिजू ने कहा कि भारत-विरोधी ताकतें कभी भी भारत को तोड़ नहीं सकतीं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में पार्लियामेंट स्क्वायर के पास लोग तिरंगे झंडे को लेकर जुटे थे, लेकिन वहां कुछ लोगों के हाथों पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के झंडे भी थे। रिजिजू की ओर से शेयर वीडियो के आखिरी में एक जगह कांग्रेस के झंडे भी दिखाई दिए। इस पर किरेन रिजिजू ने पोस्ट में लिखा, 'लंदन में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान के झंडे के साथ कांग्रेस पार्टी के झंडा। ये लोग सोचते हैं कि लंदन में भारत-विरोधी ताकतों का यह जमावड़ा देशभक्त भारतीयों को डरा देगा। भारत कभी नहीं झुकेगा और भारत को भारत-विरोधी ताकतें कभी नहीं तोड़ सकतीं। ' इससे पहले, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने प्रशांत भूषण की 'रिजीम चेंज' टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने रविवार को एक 'एक्स' पोस्ट में कहा कि अब लड़ाई भारत-विरोधी ताकतों और उन देशभक्त भारतीयों के बीच है, जो भारत की रक्षा करना चाहते हैं। प्रशांत भूषण के 2011 और हालिया बयानों को शेयर करते हुए रिजिजू ने लिखा, 'मोर्चाबंदी हो चुकी है। यह 'दिमागी नक्सलियों' बनाम 'देशभक्त भारतीयों' की लड़ाई है। यह भारत के संविधान में विश्वास रखने वालों बनाम अराजकतावादियों के बीच की लड़ाई है। ' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'बांग्लादेश में हुई हिंसक घटना और फ्रांस में जो दंगे, आगजनी और लूटपाट हुई, ठीक वैसी ही साजिश भारत के लिए भी रची गई थी।



टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले को लेकर संजय राउत ने मुख्यमंत्री को घेरा

कहा- सरकार को बर्खास्त कर देना चाहिए

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस पर राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुई गोलीबारी को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, 'मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस राज्य के गृह मंत्री भी हैं। गृह मंत्री होने के कारण कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी देवेंद्र फडणवीस की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भी जिम्मेदारी है कि वह ऐसे हमले को रोकें। मुंबई में हमने कई चौंकाने वाली घटनाएं देखी हैं, जिनमें सलमान खान पर हमला, बाबा सिद्दीकी की



हत्या और ठाणे में हमारे शिवसैनिक प्रदीप पूर्णकर की हत्या शामिल है। कल ही टाइगर श्रॉफ पर गोलियां चलाई गईं। उन्होंने कहा, 'यह 'जंगल राज' (अराजकता) है। जब ऐसी अराजकता की स्थिति हो, तो सरकार को बर्खास्त कर देना चाहिए और राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहिए।

महाराष्ट्र में हालात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। अब हर दिन हत्याएं हो रही हैं, जबरन वसूली हो रही है, अपहरण हो रहे हैं। मुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? आप मुख्यमंत्री हैं, इसलिए यह आपकी जिम्मेदारी है। ' संजय राउत ने भाजपा सरकार पर माफिया गैंग को सपोर्ट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, 'मुझे डर है कि आने वाले दिनों में राजनीतिक विरोधियों पर हमला करवाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और देवेंद्र फडणवीस के शासन में कानून का डर खत्म हो गया है।

' सीजेपी कार्यकर्ता को कोर्ट के आदेश के बावजूद रिहा नहीं करने पर संजय राउत ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट को इस मामले की जांच करनी चाहिए। इस देश में क्या हो रहा है? भारत के मुख्य न्यायाधीश और पूरे सुप्रीम कोर्ट को इस मामले की जांच करनी चाहिए। ' संजय राउत ने कहा, 'मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार देश के सेवक हैं और संवैधानिक पद पर हैं। इसके बावजूद ज्ञानेश कुमार अपनी ड्यूटी नहीं निभा रहे हैं। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा देने के लिए कहना चाहिए। '

नवरात्र का 9वां दिन: पीएम मोदी ने शेयर किया देवी की स्तुति का भजन, मां सिद्धिदात्री से सबके लिए की कामना

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोमवार को मां सिद्धिदात्री को नमन करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देवी स्तुति से जुड़े एक भजन का यूट्यूब लिंक साझा किया गया। प्रधानमंत्री ने अपने इस पोस्ट में लिखा, 'त्याग और तप की देवी मां महागौरी के आशीष से सबका भविष्य उज्ज्वल हो। हर किसी को जीवन में यश और कीर्ति की प्राप्ति हो, यही कामना है।' पीएम ने एक्स पोस्ट में देवी दुर्गा की वंदना 'नारायणी नमस्तुते' का यूट्यूब लिंक साझा किया। इस भजन में वीरेंद्रकृष्ण भद्र की ओर से मां की स्तुति की गई है। इस स्तुति में देवी की महिमा का बखान किया गया है। इसके पहले प्रधानमंत्री की ओर से एक और पोस्ट में सुभाषित साझा किया गया। पीएम मोदी की ओर से संस्कृत श्लोक, 'यैस्तु भक्त्या स्मृता नूनं तेषां वृद्धिः प्रजायते। ये त्वां स्मरन्ति देवेशि रक्षसे तान्न संशयः।' शेयर किया गया, जिसका हिंदी में भावार्थ है कि जो भक्त भक्तिपूर्वक देवी दुर्गा का स्मरण करते हैं, उनकी निश्चय ही उन्नति और वृद्धि होती है। हे देवेश्वरी! जो आपका चिंतन करते



हैं, आप उनकी संकटों से रक्षा करती हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। यह श्लोक श्रीदेवीकवचम्' (दुर्गा कवच) का 8वां श्लोक है। नवरात्र के आखिरी दिन सोमवार को मां सिद्धिदात्री की पूजा की जा रही है। सिद्धि' का अर्थ है पूर्णता या सामर्थ्य और 'दात्री' का अर्थ है देने वाली। यह देवी भक्तों को अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशत्व और वशित्व जैसी आठ सिद्धियां प्रदान करती हैं। मां सिद्धिदात्री का वाहन सिंह (शेर) माना जाता है। उनके चार भुजाएं हैं। दाहिने हाथों में गदा और चक्र तथा बाएं हाथों में कमल पुष्प और शंख सुशोभित रहते हैं। देवी का यह स्वरूप शक्ति, सिद्धि और दिव्य ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने मां सिद्धिदात्री की कृपा से अनेक सिद्धियां प्राप्त की थीं। कहा जाता है कि देवी की कृपा से ही शिव का आधा स्वरूप शक्ति के रूप में अभिव्यक्त हुआ और वे अर्धनारीश्वर कहलाए। अर्धनारीश्वर स्वरूप शिव और शक्ति की अभिन्न एकता तथा सृष्टि में स्त्री-पुरुष ऊर्जा के संतुलन का प्रतीक माना जाता है।

राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को लेकर केंद्र पर साधा निशाना, कहा- जवाबदेही तय होगी

एजेंसी

मारगांव। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गोवा में कांग्रेस की 28 दिवसीय 'सेव गोवा' यात्रा के समापन समारोह में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में वोटों की चोरी की जा रही है और इसके लिए तीनों नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। राहुल गांधी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार वोटों की चोरी को लागू करते हैं, गृह मंत्री अमित शाह इसे अंजाम देने की व्यवस्था करते हैं और पीएम मोदी पर्दे के पीछे से पूरी योजना तैयार करते हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी इन लोगों को जवाबदेह ठहराएगी और उनके खिलाफ न्याय सुनिश्चित करेगी। राहुल गांधी ने अपने खिलाफ दर्ज



मानहानि के मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 45 से अधिक मानहानि के मामले दर्ज हैं, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह से जुड़े मामले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वह हर मंच से यह आरोप लगाते हैं कि पीएम मोदी वोटों की चोरी करते हैं, लेकिन इस दावे को लेकर उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों है? क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वोटों की चोरी को लेकर विशेष रूप से कोई मामला दर्ज किया गया, तो पूरी कानूनी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और वे खुद भी उसमें उलझ जाएंगे। ' कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी संविधान की संरक्षक है और उसकी रक्षा करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोटों की चोरी करके संविधान पर हमला किया गया है। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि वे उनकी बात ध्यान से सुनें और भरोसा रखें कि पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह और ज्ञानेश कुमार को अपने कार्यों के लिए जवाबदेह होना पड़ेगा।

कर्नाटक पुलिस संदिग्ध आतंकवादी के लश्कर-ए-तैयबा सदस्यों के साथ संबंधों की कर रही जांच

एजेंसी

कलबुर्गी । कर्नाटक पुलिस ने गिरफ्तार संदिग्ध आतंकवादी ममताज मल्लिक के पाकिस्तानी मूल के लोगों और पड़ोसी देश से संचालित आतंकवादी संगठनों के साथ कथित संबंधों का पता लगाया है। पश्चिम बंगाल के रहने वाले मल्लिक नाम के एक युवक को रविवार को उत्तरी कर्नाटक के कलबुर्गी में जांच एजेंसियों ने गिरफ्तार किया। ब्रह्मपुरा पुलिस ने मामला दर्ज करने के साथ ही उसके आतंकवादी संगठनों तथा भारत-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह वाले लोगों के साथ कथित संबंधों की जांच कर रही है। चौक पुलिस इंस्पेक्टर सुशील कुमार ने ब्रह्मपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में आतंकवादी कृत्य या उसकी तैयारियों के लिए साजिश रचने, प्रयास करने, उकसाने, सलाह देने, भड़काने या जानबूझकर मदद करने से संबंधित धाराएं भी शामिल हैं। वहीं, धारा 197(1) उन आरोपों से जुड़ी है, जिनमें कहा जाता है कि लोगों का कोई समूह धर्म, नस्ल, भाषा, जाति, क्षेत्र या समुदाय के आधार पर संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा नहीं रख सकता या भारत की संप्रभुता को बनाए नहीं रख सकता। जांच के दौरान पुलिस को कथित तौर पर पता चला कि मल्लिक व्हाट्सऐप ग्रुप और इंस्टाग्राम के जरिए।

वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को अस्पताल से मिली छुट्टी

एजेंसी

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के स्वास्थ्य पर बड़ा अपडेट सामने आया है। अपोलो अस्पताल ने एक प्रेस बयान में जानकारी दी कि एलके आडवाणी, जिन्हें छाती में संक्रमण के कारण 16 अक्तूबर को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उन्हें आज छुट्टी दी जा रही है। वे न्यूरोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में थे और उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार हुआ है। जानकारी के मुताबिक, 98 वर्षीय दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को सीने में संक्रमण (चेस्ट इन्फेक्शन) और उम्र से जुड़ी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल लाया गया था। वे न्यूरोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में थे।



श्रद्धा दुबे के मामले में हटाए गए एसीपी हजरतगंज

डीसीपी और इंस्पेक्टर पर पहले ही गिर चुकी है गाज

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोमवार को मां सिद्धिदात्री को नमन करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देवी स्तुति से जुड़े एक भजन का यूट्यूब लिंक साझा किया गया। प्रधानमंत्री ने अपने इस पोस्ट में लिखा, 'त्याग और तप की देवी मां महागौरी के आशीष से सबका भविष्य उज्ज्वल हो। हर किसी को जीवन में यश और कीर्ति की प्राप्ति हो, यही कामना है।' पीएम ने एक्स पोस्ट में देवी दुर्गा की वंदना 'नारायणी नमस्तुते' का यूट्यूब लिंक साझा किया। इस भजन में वीरेंद्रकृष्ण भद्र की ओर से मां की स्तुति की गई है। इस स्तुति में देवी की महिमा का बखान किया गया है। इसके पहले प्रधानमंत्री की ओर से एक और पोस्ट में सुभाषित साझा किया गया। पीएम मोदी की ओर से संस्कृत श्लोक, 'यैस्तु भक्त्या स्मृता नूनं तेषां वृद्धिः प्रजायते। ये त्वां स्मरन्ति देवेशि रक्षसे तान्न संशयः।' शेयर किया गया, जिसका हिंदी में भावार्थ है कि



जो भक्त भक्तिपूर्वक देवी दुर्गा का स्मरण करते हैं, उनकी निश्चय ही उन्नति और वृद्धि होती है। हे देवेश्वरी! जो आपका चिंतन करते हैं, आप उनकी संकटों से रक्षा करती हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। यह श्लोक श्रीदेवीकवचम्' (दुर्गा कवच) का 8वां श्लोक है। नवरात्र के आखिरी दिन सोमवार को मां सिद्धिदात्री की पूजा की जा रही है। सिद्धि' का अर्थ है पूर्णता या सामर्थ्य और 'दात्री' का अर्थ है देने वाली। यह देवी भक्तों को अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशत्व और वशित्व जैसी आठ सिद्धियां प्रदान करती हैं। मां सिद्धिदात्री का वाहन सिंह (शेर) माना जाता है। उनके चार भुजाएं हैं। दाहिने हाथों में गदा और चक्र तथा बाएं हाथों में कमल पुष्प और शंख सुशोभित रहते हैं। देवी का यह स्वरूप शक्ति, सिद्धि और दिव्य ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने मां सिद्धिदात्री की कृपा से अनेक सिद्धियां प्राप्त की थीं। कहा जाता है कि लोगों का कोई समूह धर्म, नस्ल, भाषा, जाति, क्षेत्र या समुदाय के आधार पर संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा नहीं रख सकता या भारत की संप्रभुता को बनाए नहीं रख सकता। जांच के दौरान पुलिस को कथित तौर पर पता चला कि मल्लिक व्हाट्सऐप ग्रुप और इंस्टाग्राम के जरिए।

नाबालिग के कपड़े उतारकर मारपीट का वीडियो वायरल, एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

भोपाल। महाराष्ट्र के लातूर शहर में चार महीने पहले एक नाबालिग लड़के के कपड़े उतारकर उसके साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना जून में एमआईडीसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक खुली जगह पर हुई थी। इस मारपीट का एक वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। एक अधिकारी ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने पीड़ित का पता लगाया और चारों आरोपियों की पहचान की। हालांकि, उन्होंने लड़के की उम्र या मारपीट के पीछे के मकसद के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। महाराष्ट्र के लातूर शहर में चार महीने पहले एक नाबालिग लड़के के कपड़े उतारकर उसके साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना जून में एमआईडीसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक खुली जगह पर हुई थी। इस मारपीट का एक वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। एक अधिकारी ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने पीड़ित का पता लगाया और चारों आरोपियों की पहचान की। हालांकि, उन्होंने लड़के की उम्र या मारपीट के पीछे के मकसद के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

भाजपा और ओवैसी दोनों जुड़वां भाईः प्रमोद तिवारी

प्रयागराज । कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान पर पलटवार करते हुए उन्हें भाजपा का एजेंट करार दिया। उन्होंने कहा कि चुनावी परिणाम बताते हैं कि ओवैसी भाजपा के लिए काम करते हैं। इसीलिए वह भाजपा और ओवैसी को जुड़वां भाई कहते हैं। ओवैसी ने रामपुर में एक सभा के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वे नेहरू, गांधी या यादव में से किसी को अपना नेता नहीं बनाएंगे। ओवैसी के इस बयान पर बातचीत में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि ओवैसी की क्या हैसियत है कि वे गांधी या नेहरू जैसा कोई व्यक्ति खड़ा कर सकें? उनका काम बस इतना है कि वे जानबूझकर या अनजाने में भाजपा के इशारे पर अल्पसंख्यक वोटों को बांटते हैं। मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि यह व्यक्ति भाजपा के लिए काम कर रहा है, जैसा कि चुनाव नतीजों से भी पता चलता है। महाराष्ट्र में उनकी पार्टी ने चार सीटें तो जीतीं, लेकिन वोटों को बांटकर 22 सीटों पर अन्य उम्मीदवारों को हरवा दिया। वहां भाजपा की सरकार बन गई। बिहार में भी ओवैसी ने कुछ ऐसा ही किया। इनके जीते हुए उम्मीदवार जदयू के साथ चले गए।

पटना में बेकाबू स्कॉर्पियो ने राहगीरों को कुचला, दो की मौत, कई घायल

पटना । बिहार की राजधानी पटना में अटल पथ पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बेकाबू होकर पलट गई और पैदल जा रहे राहगीरों को कुचल दिया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार से पांच लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार, हादसा पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र में महेशनगर रोड नंबर तीन के सामने अटल पथ पर हुआ। काले रंग की स्कॉर्पियो आर ब्लॉक से दीघा की ओर तेज रफ्तार से जा रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और स्कॉर्पियो पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पलटने के बाद गाड़ी सड़क पर उछलते हुए करीब 80 मीटर दूर जा गिरी। इस दौरान पैदल जा रहे लोग उसकी चपेट में आ गए। एक बाइक सवार के भी दुर्घटनाग्रस्त वाहन की चपेट में आने की जानकारी सामने आई है। पटना की एएसपी (लॉ एंड ऑर्डर-2) सुषमा सागर ने दो लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि रविवार रात 11.30 बजे हुई दुर्घटना के बाद घायलों को तत्काल पाटलिपुत्र स्थित सहयोग अस्पताल पहुंचाया गया।

अखिलेश का पीडीए सिर्फ सत्ता की सीढ़ी, कन्नौज की जनता से हुई बड़ी चूकः असीम अरुण

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर सोमवार को तगड़ा राजनीतिक प्रहार किया। असीम अरुण ने अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को महज एक चुनावी ढोंग करार दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव का यह नारा जनकल्याण के लिए नहीं, बल्कि केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने का जरिया भर है। कन्नौज की जनता ने अखिलेश यादव को सांसद चुनकर बड़ी भूल कर दी। ढाई साल से अधिक का वक्त गुजर चुका है, लेकिन वह एक रात भी अपने संसदीय क्षेत्र में नहीं ठहरे।

आरएसएस का सामाजिक कार्य सबसे प्रभावशाली, युवाओं के लिए प्रेरणा : जर्मन राजनेता

संगठन के लिए यह आसान सफर नहीं था क्योंकि उन्हें बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा और आप जानते हैं कि मानवता, सेवा और संस्कृति के एक ही मार्ग पर चलते हुए 100 साल पूरे करना आसान नहीं है।

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रकाशित किताब 'हंड्रेड ईयर्स यंगः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' को लेकर जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर के डिप्टी हेड और भारतीय मूल के पहले एशियाई सिटी पार्लियामेंट सदस्य राहुल कुमार ने संगठन के सामाजिक कार्यों की जमकर सराहना की। आरएसएस के साथ अपने अनुभव और उसके काम के किन पहलुओं ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, इस पर किताब के संदर्भ में पूछे गए सवाल पर जर्मन राजनेता राहुल कुमार ने कहा, 'आरएसएस का सामाजिक कार्य सबसे प्रभावशाली चीज है, जो खासकर युवाओं के लिए है। यहां जर्मनी में हमारे पास आरएसएस नहीं है, हमारे पास एचएसएस है और यह यहां यूरोप में और जर्मनी में भी काम कर रहा है। जब मैं बच्चा था, तब से मैं उनकी गतिविधियों को देखता आ रहा हूं, वे सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं, वे युवाओं के लिए बहुत सारे प्रोजेक्ट करते हैं और यह मेरे लिए और मेरे बड़े भाई के लिए भी बहुत प्रभावशाली था।' 'हंड्रेड ईयर्स यंगः



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' किताब पर राहुल कुमार ने कहा, 'यह किताब शायद युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। अगर वे इसे पढ़ेंगे कि हमारे भारतीय मूल का कोई व्यक्ति फ्रैंकफर्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय शहर में पहला भारतीय एशियाई सिटी पार्लियामेंट सदस्य बना है। तो यह एक प्रेरणा होगी। मेरा यही लक्ष्य था, इस आध्यात्मिक और प्रेरणा को देना जो हमारे खून में है, हमें इसे महसूस करना होगा। हर भारतीय, हर भारतीय मूल के व्यक्ति में, आप जानते हैं, भारत माता की भावना है और आपको इसे महसूस करना होगा। और मुझे लगता है कि फिर भविष्य में आने वाली सभी चुनौतियां उतनी कठिन नहीं होंगी जितनी पहले थीं। 'जब उनसे पूछा गया कि उनके व्यक्तिगत अनुभवों ने उन्हें आरएसएस को बेहतर ढंग से समझने में कैसे मदद की है और क्या सीधे संवाद और बातचीत से लोगों को संगठन के बारे में गहरी समझ विकसित करने में मदद मिल सकती है, तो राहुल कुमार ने कहा कि पानी की गर्माहट को महसूस करने के लिए आपको पानी में जाना पड़ता है। इसलिए आरएसएस के बारे में जानने के लिए, एचएसएस के बारे में जानने के लिए, आपको लोगों से जुड़ना होगा। मेरे लिए, आरएसएस का मतलब है राइट, सेवा और सत्संग। आरएसएस के 100 साल पूरे करने और राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा, अनुशासन और युवाओं में नेतृत्व गुणों के विकास में उसके योगदान पर पूछे गए सवाल पर राहुल कुमार ने कहा, 'यह एक लंबा सफर है लेकिन मुझे लगता है।

अखिलेश ने किया 2027 के लिए पीडीए के प्रणपत्र का ऐलान, 26 नवंबर को जारी होगा 'जन-मन का घोषणापत्र'

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर 'पीडीए का प्रणपत्र' जारी करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर 2026 को 'जन-मन का मैनीफेस्टो' जारी किया जाएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि सत्ताइस का संकल्प : पीडीए का प्रणपत्र 'संविधान दिवस' 26 नवंबर 2026 के लोकतांत्रिक पावन अवसर पर हम जारी करेंगे 'जन-मन का मैनीफेस्टो'। उन्होंने इसे 'सत्ताइस का संकल्प : पीडीए का प्रणपत्र' नाम देते हुए कहा कि संविधान दिवस के लोकतांत्रिक पावन अवसर पर जनता के मन की बात और उसकी आकांक्षाओं को सामने रखने वाला यह मैनीफेस्टो जारी किया जाएगा। समाजवादी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक)



को अपने राजनीतिक अभियान के केंद्र में रख रही है। 'जन-मन का मैनीफेस्टो' के जरिए पार्टी जनता के मुद्दों, अधिकारों और अपेक्षाओं को चुनावी विमर्श से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। संविधान दिवस पर प्रणपत्र जारी करने की घोषणा के जरिए अखिलेश यादव ने आगामी चुनाव के लिए अपनी राजनीतिक तैयारी का संकेत दिया है। अब इस बात पर नजर रहेगी कि पार्टी अपने इस प्रणपत्र में किन मुद्दों और वादों को प्राथमिकता देती है। ज्ञात हो कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) और संविधान को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा है। लोकसभा चुनाव 2024 में पीडीए की रणनीति से मिली सफलता के बाद वह लगातार इन्हीं मुद्दों के जरिए भाजपा को घेर रहे हैं। सामाजिक न्याय, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के सवालों को उठाकर अखिलेश भाजपा के सामने राजनीतिक चुनौती पेश करने की कोशिश में जुटे हैं।

मणिपुर में दो समुदायों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत, कई घायल

पथराव की चपेट में आने से कई अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एजेंसी

इंफाल । मणिपुर के थौबल जिले में दो समुदायों के लोगों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इसके बाद प्रशासन ने प्रभावित दो इलाकों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। इंफाल में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य की राजधानी इंफाल से लगभग 25 किमी दक्षिण में स्थित थौबल पुलिस थाना क्षेत्र के खंगाबोक गांव में हिंसा भड़क गई। पुलिस के अनुसार, लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर उस मैदान पर पथराव किया, जहां एक संगीत कार्यक्रम चल रहा था। यह घटना खंगाबोक और पड़ोसी गांव संगायिमफम के दो समुदायों के बीच पथराव में बदल गई। झड़प



के दौरान कुछ घरों और वाहनों में आग भी लगा दी गई। हिंसा के बीच, अज्ञात उपद्रवियों ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति के सिर में गोली लग गई। घायल व्यक्ति की पहचान लैशराम राकेश के रूप में हुई है। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पथराव की चपेट में आने से कई अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हिंसा को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए प्रभावित गांवों में राज्य और केंद्र के अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह तक स्थिति नियंत्रण में आ गई थी। हिंसा के बाद, थौबल के जिला मजिस्ट्रेट ने रविवार रात निषेधाज्ञा जारी की। इसके तहत खंगाबोक और संगायिमफम के निवासियों को रात 11 बजे के बाद अपने घरों से बाहर न निकलने का निर्देश दिया गया। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी इस आदेश में कहा गया है कि असामाजिक तत्वों की कथित गैर-कानूनी गतिविधियों के कारण शांति भंग होने, सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने और लोगों की जान-माल को खतरा होने की आशंका है। आदेश में यह नहीं बताया गया है कि ये पाबंदियां कब हटाई जाएंगी। इस बीच, पिछले 24 घंटों में मणिपुर के कामजोंग जिले में अलग-अलग घटनाओं में 25 से अधिक घरों में आग लगा दी गई। संदिग्ध उग्रवादियों ने नागा और कुकी समुदायों के इलाकों को निशाना बनाया, जिसके चलते स्थानीय लोगों को अपने घर छोड़कर जंगलों और पास के सुरक्षा शिविरों में शरण लेनी पड़ी। रविवार को भारत-म्यांमार सीमा के पास पिलोंग और स्किप गांवों में अज्ञात उपद्रवियों ने नागा समुदाय के लगभग 14 खाली घरों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन घटनाओं के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। नागाओं के बसे गांवों पर पहले हुए हमलों के बाद घरों को छोड़ दिया गया था।

कोलकाता भगदड़ः चोरबागान हादसे के बाद कार्रवाई, हटाए गए गिरीश पार्क थाने के प्रभारी

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गोत्सव पंडाल में भगदड़ की घटना के बाद गिरीश पार्क थाने के प्रभारी अधिकारी सुमित कुमार घोष को पद से हटा दिया गया है। इस हादसे में 19 लोगों की मौत हुई थी। कोलकाता पुलिस के डिटेक्टिव विभाग में तैनात अधिकारी हीरक दलपति को फिलहाल थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लालबाजार के निर्देश पर यह बदलाव किया गया है। आधिकारिक आदेश के अनुसार, पुलिस इंस्पेक्टर हीरक दलपति तत्काल प्रभाव से अपने मौजूदा काम के साथ गिरीश पार्क थाने के प्रभारी अधिकारी का काम भी देखेंगे। अगले आदेश तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ की जांच जारी है। इस मामले में गिरफ्तार सात आरोपियों को बैंकशाल कोर्ट ने 28 अक्तूबर तक 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने अदालत से 14 दिन की हिरासत मांगी थी। गिरफ्तार आरोपियों में पूजा समिति के सचिव राज कुमार सेवड़ा उर्फ राजा, उपाध्यक्ष शांतनु दुबे और बांस का ढांचा तैयार करने में शामिल बिप्लब मुखर्जी उर्फ जॉय शामिल हैं। इसके अलावा भीड़ प्रबंधन और वीआईपी पास की जांच से जुड़े कौशिक साहा, भीड़ संभालने



वाले पिंटू डे और निजी सुरक्षा व्यवस्था के प्रभारी सुमन चक्रवर्ती तथा राजेश पाल को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के वकील एमडी यासिम रहमान ने दावा किया कि सभी आरोपी बाहरी लोग थे और दुर्गा पूजा देखने आए थे। उनके मुताबिक, जब उन्होंने भीड़ में लोगों को परेशान होते देखा तो बचाव कार्य में मदद के लिए आगे आए।

कर्नाटक सरकार का नया नियमः कर्मचारियों के मुख्यालय छोड़ने पर होगी कार्रवाइ

एजेंसी

बंगलूरू। कर्नाटक सरकार ने अपने अधिकारियों के लिए अपने कार्यक्षेत्र (मुख्यालय) में रहना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए सरकार ने 'कर्तव्य' मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए जियोफेंसिंग पर आधारित एक नाइट-टाइम अटेंडेंस सिस्टम (रात के समय उपस्थिति दर्ज करने की प्रणाली) शुरू की है।

इसका क्या उद्देश्य है?

इस नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यक्षेत्र में मौजूद रहें, ताकि लोगों को समय पर सेवाएं मिल सकें और विकास परियोजनाओं को सुचारू रूप से पूरा किया जा सके।

पहला चरण कब से शुरू होगा?

पहले चरण के रूप में, सरकार 1 नवंबर 2026 से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण



विभाग के अंतर्गत आने वाले तालुक अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) में काम करने वाले सभी डॉक्टरों के लिए इस प्रणाली को पायलट आधार पर लागू करेगी।

इस प्रणाली के तहत, डॉक्टरों को हर दिन रात 9 बजे के बाद 'कर्तव्य' एप के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। ऐसा करते समय उन्हें अपने मुख्यालय के रूप में निर्धारित कस्बे, शहर या गांव की भौगोलिक सीमाओं के भीतर रहना होगा।

किन कर्मचारियों को मिलेगी छूट?

जो अधिकारी और कर्मचारी स्वीकृत छुट्टी पर हैं, जो सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से अपने मुख्यालय के बाहर आधिकारिक ड्यूटी कर रहे हैं, या जिन्हें अपना मुख्यालय छोड़ने की पूर्व अनुमति मिल चुकी है, उन्हें इस नियम से छूट दी जाएगी। हालांकि, उन्हें एप में अपनी छुट्टी या अनुमति का कारण स्पष्ट रूप से दर्ज करना होगा।

चुनाव आयोग विवादः दुबे ने खोले पुराने पन्ने, कहा-जांच भी नहीं हुई; दावा-कांग्रेस पर 1972 में बूथ लूट के आरोप

छह अक्तूबर को विपक्षी सांसदों ने संसद से आयोग मुख्यालय तक मार्च निकाला।

एजेंसी

लखनऊ। जिन चुनावी धांधलियों के आरोप में विपक्ष आज मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांग रहा है, उसी तरह के आरोप उसके अपने साथी वाम दल 54 साल पहले कांग्रेस पर लगा चुके हैं। तब भी शिकायतें मुख्य चुनाव आयुक्त तक पहुंची थीं, पर कार्रवाई न होने का दावा खुद वाम दलों का है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 1972 के पश्चिम बंगाल चुनाव से जुड़े वाम दलों के पुराने दस्तावेज सोशल मीडिया पर साझा कर विपक्ष को इसी आईने के सामने खड़ा कर दिया है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष आयोग पर भाजपा



को फायदा पहुंचाने का आरोप लगा रहा है। छह अक्तूबर को विपक्षी सांसदों ने संसद से आयोग मुख्यालय तक मार्च निकाला। रोके जाने के बाद राहुल गांधी समेत कई सांसदों को हिरासत में लिया गया। अगले दिन जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन हुआ और विपक्ष की बैठकों में वाम दलों के सांसद भी शामिल रहे। निशिकांत दुबे की तरफसे साझा दस्तावेजों में नाम लेकर कुछ मामले गिनाए गए हैं। दावा है कि डोमकल के बूथ संख्या 55 पर 550 वोट पड़े, पर मतपेटी खुली तो 685 मतपत्र निकले। कालना में मतगणना के दौरान एक गिनती अधिकारी अंगूठे में रबर की मुहर लगाकर माकपा के पक्ष में पड़े मतपत्रों को अवैध करता पकड़ा गया। उलबेड़िया दक्षिण में रिटर्निंग अफसर पर आरोप है कि उसने माकपा प्रत्याशी के आंकड़े घटाकर कांग्रेस के बढ़ा दिए। माकपा का कहना था कि उसके गढ़ों में 28,000 से 76,000 वोट तक की हार का कोई और कारण नहीं हो सकता। उस दौर की भाकपा को भी पर्चे में कांग्रेस का साथी बताकर निशाना बनाया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि शिकायतें राज्यपाल, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और मुख्य चुनाव आयुक्त तक पहुंचाई गईं, पर जांच का दिखावा तक नहीं हुआ। दुबे का कहना है, जो खुद धांधली के बल पर सरकार बनाते रहे हैं, वो दूसरों पर सवाल उठाने लायक नहीं हैं। उन्होंने खासकर यह सवाल उठाया कि जो वामदल कभी विधानसभा का बहिष्कार कर चुके हैं, वो आज उसी कांग्रेस के साथ एक मंच पर क्यों हैं। दुबे के साझा किए दस्तावेजों में पहला माकपा की पश्चिम बंगाल राज्य समिति का 16 मार्च 1972 की तारीख वाला पर्चा है। इसमें पार्टी ने तत्कालीन सत्ताधारी कांग्रेस पर चुनाव में संगठित गुंडागर्दी और धांधली के आरोप लगाए थे।

एससीओ बैठकः रक्षा मंत्री ताजिकिस्तान रवाना, दुशांबे में हेड्स ऑफ गवर्नमेंट की 25वीं बैठक में लेंगे हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे के लिए रवाना हो गए। वे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की 'काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट' (सीएचजी) की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। दो दिनों तक चलने वाली यह उच्च-स्तरीय बैठक सोमवार से शुरू होगी। अपने एक्स हैंडल पर जानकारी देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, 'नई दिल्ली से दुशांबे के लिए निकल रहा हूं। 19-20 अक्तूबर, 2026 को ताजिकिस्तान में होने वाली एससीओ 'हेड्स ऑफ गवर्नमेंट' (एचओजी) की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'एससीओ की इस बैठक में संस्कृति, कनेक्टिविटी, अर्थव्यवस्था, नवाचार (इनोवेशन), निवेश और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, संगठन के वित्तीय और संस्थागत कामकाज में हुई प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी।'

रक्षा मंत्रालय ने क्या बताया?

रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, इस बैठक में चल रही सहयोग पहलों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और संगठन के वित्तीय



तथा संस्थागत कामकाज से जुड़े फैसलों पर विचार किया जाएगा। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'भारत एससीओ के विभिन्न तंत्रों में सक्रिय रूप से शामिल है और स्टार्टअप, नवाचार, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसी पहलों के जरिए क्षेत्रीय सहयोग में योगदान दे रहा है। यह बैठक भारत को एससीओ के अन्य सदस्य देशों के साथ व्यावहारिक और आपसी लाभ वाले सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श करने का मौका देगी।' इससे पहले सीएचजी की बैठक पिछले साल 18 नवंबर को रूस के मॉस्को में हुई थी, जिसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ताजिकिस्तान के दुशान्बे में आयोजित एससीओ सदस्य देशों के विदेश आर्थिक और व्यापार गतिविधियों के लिए जिम्मेदार मंत्रियों की 25वीं बैठक में, भारत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए 'सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर' के तीन स्तंभों पर जोर दिया। इस बैठक में एससीओ सदस्य देशों के बीच आर्थिक और व्यापार गतिविधियों में चल रहे सहयोग की समीक्षा की गई और एससीओ ढांचे के भीतर व्यापार और आर्थिक सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

भगवंत मान के फ्रांस दौरे पर हरसिमरत कौर बादल ने उठाए सवाल, बोलीं-सीएम ने लोगों को उनके हाल पर छोड़ा

एजेंसी

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा। उन्होंने सीएम मान के फ्रांस दौरे की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब नशा-विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या को लेकर पूरा राज्य 'विरोध प्रदर्शनों की आग में जल रहा है,' मुख्यमंत्री ने लोगों को 'उनके हाल पर छोड़ दिया है।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में हरसिमरत कौर बादल ने कहा, 'इस नाजुक समय में फ्रांस जाकर पंजाब के मुख्यमंत्री और 'गुरु-द्रोही' भगवंत मान ने अपनी प्राथमिकताएं दिखा दी हैं। एक तरफ नशा-विरोधी मुहिम चलाने वाले परविंदर सिंह झोटा की मौत को लेकर पंजाब में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री के पास न तो पीड़ित परिवार से मिलने का समय था, न ही उन्हें कोई भरोसा देने का, और न ही दोषी पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड करने का।' हरसिमरत कौर बादल ने कहा, 'जब भी पंजाब किसी संकट से गुजरता है (चाहे वह अभी का समय हो या पिछले साल आई बाढ़) भगवंत मान को एक ही आसान रास्ता दिखता है; राज्य और यहां के लोगों को छोड़कर विदेश भाग जाना, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने अभी किया है। ' उन्होंने कहा, 'भगवंत मान अपनी विदेश यात्रा के लिए जनता के पैसे का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। हो सकता है कि वह पिछले 4.5 सालों में बड़े पैमाने पर किए गए भ्रष्टाचार से कमाए गए 'काले धन' को ठिकाने लगाने गए हों! ' केंद्र सरकार की ओर से राजनीतिक मंजूरी न दिए जाने के बावजूद पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को फ्रांस जाने की अनुमति दे दी। केंद्र ने सुरक्षा खतरों और फ्रांसीसी सरकार की ओर से कोई औपचारिक निमंत्रण न होने का हवाला देते हुए मंजूरी देने से इनकार कर दिया था।

विदेश मंत्रालय द्वारा 15 से 21 अक्टूबर तक भगवंत मान की प्रस्तावित फ्रांस यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी देने से इनकार किए जाने के बाद पंजाब सरकार हाईकोर्ट पहुंची थी। इस यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रवि भगत भी शामिल थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शक्ति और सामर्थ्य से सार्थक हो रहा है भारत

डॉ. मोहन यादव



विजयादशमी सत्य की शक्ति और शक्ति की सार्थकता का महापर्व है। यह भारतीय चेतना का वह प्रकाश है, जो हमें विश्वास दिलाता है कि अन्याय कितना भी प्रबल हो, प्रतिकार का संकल्प उससे बड़ा होता है। असत्य का वैभव क्षणिक है, सत्य का सामर्थ्य शाश्वत। भगवान श्रीराम की विजय इसी विश्वास की प्रतिष्ठा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य के प्रति आस्था के साथ उसकी रक्षा का साहस भी आवश्यक है। न्याय की कामना तभी फलित होती है, जब समाज उसके लिए खड़ा होने का संकल्प लेता है। भगवान श्रीराम के देश में शक्ति की आराधना का उद्देश्य सदैव लोकमंगल रहा है। श्रीराम का धनुष पीड़ितों के लिए आश्वासन और अत्याचारियों के लिए चेतावनी है। उनका पराक्रम मर्यादा से प्रेरित है और उनका प्रत्येक संकल्प जनकल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने वनवास के कठिन मार्ग पर समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर यह सिद्ध किया कि विश्वास, संगठन और सामूहिक पुरुषार्थ से बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। यही हमारी सांस्कृतिक चेतना का आधार और राष्ट्रनिर्माण का मार्ग है। विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन इसी चेतना की अभिव्यक्ति है। शस्त्रों का पूजन करते हुए हम शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग और उसके साथ जुड़े उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि हमारा बल निर्बल की रक्षा करे, हमारा साहस अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो और हमारा पराक्रम मानवता के कल्याण में समर्पित रहे। शस्त्र धारण करने वाले हाथों में संयम और निर्णय लेने वाले मन में संवेदना हो यही इस परंपरा का संदेश है। मर्यादा से अनुशासित शक्ति ही समाज का विश्वास बनती है। आज यही भाव भारत के राष्ट्रीय आत्मविश्वास में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प और भारतीय सशस्त्र बलों का अदम्य पराक्रम देशवासियों को गर्व से भरता है। भारत शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है। अपनी संप्रभुता, स्वाभिमान और नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्णय लेने का उसका संकल्प भी उतना ही अटल है। हमारी शांतिप्रियता को हमारे सामर्थ्य का संबल प्राप्त है। सजग और समर्थ भारत विश्वशांति के प्रति अपने दायित्व को भी दृढ़ता से निभा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी ढांचों के विरुद्ध सटीक कार्रवाई कर साहस, कौशल और सैन्य दक्षता का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने अपने पराक्रम से राष्ट्र के सुरक्षा संकल्प को साकार किया। यह शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और विश्वास का विषय है। विजयादशमी पर हम अपने सैनिकों को नमन करते हुए उस कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लें, जिसके लिए राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। देश का सम्मान सुरक्षित रखने वाले इन प्रहरियों के प्रति हमारी कृतज्ञता हमारे आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए। सीमा पर तैनात सैनिक का जीवन त्याग और तपस्या की जीवंत गाथा है। जब हम अपने परिवार के साथ पर्व मनाते हैं, तब वह अपने परिवार से दूर हमारी सुरक्षा में तैनात रहता है। हमारे घरों का उत्सव उसकी चौकसी के विश्वास पर टिका है। उसके साथ उसके परिवार का धैर्य और समर्पण भी वंदनीय है। सैनिकों, वीर नारियों और सैन्य परिवारों का सम्मान हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न अंग होना चाहिए। उनके त्याग का स्मरण हमें अपने नागरिक दायित्वों के प्रति अधिक सजग बनाता है। मध्यप्रदेश में सुशासन के हमारे प्रयासों का केंद्र भी नागरिकों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण है। माताओं-बहनों को निर्भय वातावरण मिले, युवाओं को प्रतिभा निखारने के अवसर मिलें, किसानों का परिश्रम समृद्धि में बदले और जरूरतमंद तक शासन का सहयोग पहुंचे–यही हमारा संकल्प है। शासन के सामर्थ्य की वास्तविक कसौटी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। जब नागरिक को समय पर न्याय, सहज सेवा और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तब रामराज्य की भावना लोकजीवन में आकार लेती है। विजयादशमी हमें अपने भीतर झांकने का अवसर भी देती है। रावण दहन के साथ अहंकार, लोभ, भेदभाव और कर्तव्य के प्रति उदासीनता से मुक्ति का संकल्प आवश्यक है। ईमानदारी को व्यवहार में, सद्भाव को संबंधों में और अनुशासन को दिनचर्या में स्थान देना होगा। समाज की एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।



उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रानी तालाब मंदिर तथा देवी पंडालों में की पूजा-अर्चना

गरबा महोत्सव में भी हुए शामिल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

महाअष्टमी के पावन और पवित्र अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रानी तालाब मंदिर पहुंचकर मां कालिका देवी के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से मां कालिका की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री ने खन्ना चौक में विराजी मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने भारत माता नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित देवी जागरण में सहभागिता की। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए मां से लोकमंगल की प्रार्थना की। उप मुख्यमंत्री ज्ञानस्थली स्कूल और अटल पार्क में आयोजित गरबा महोत्सव कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने माता के दरबार में हाजिरी लगाकर महाअष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया।



186वें रामलीला महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रामलीला को बताया संस्कृति की धरोहर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

शहर के घोघर स्थित ऐतिहासिक नृत्य राघव शरण रामलीला मंदिर में 186वें रामलीला महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। रविवार को इस भव्य आयोजन में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आह्वान किया कि शहर की इस ऐतिहासिक रामलीला से नई पीढ़ी को भी अवश्य जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से परिचित होकर उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए, क्योंकि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रविवार के मुख्य कार्यक्रम के दौरान रामलीला मंच पर कई प्रमुख और मनमोहक प्रसंगों का जीवंत मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला के दौरान हनुमान जी के लंका से लौटकर प्रभु श्रीराम को माता सीता की चूड़ामणि सौंपने और उनका संदेश सुनाने का सुंदर प्रसंग दिखाया गया। इसके पश्चात समुद्र पर रामसेतु निर्माण और रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापना की लीला का मंचन किया गया। नल-नील द्वारा पत्थरों से सेतु निर्माण के प्रसंग ने वहां उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में समिति के अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडेय ने उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का स्वागत किया।

सत्य की असत्य पर विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में करेंगे शस्त्र-पूजन

शस्त्र-पूजन सुरक्षा और स्वतंत्रता के प्रति सम्मान का प्रतीक : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शस्त्र-पूजन भारतीय सेना के पराक्रम, सुरक्षा और स्वतंत्रता के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भगवान श्रीराम के देश में शक्ति के प्रतिमान गढ़े जा रहे हैं। विजयादशमी पर प्रदेशभर में आयोजित शस्त्र-पूजन कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य राष्ट्र की सुरक्षा, सैन्य सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता के प्रति सम्मान तथा नागरिकों में राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करना है। विजयादशमी का पर्व सत्य की असत्य पर विजय और शक्ति के अन्याय के विरुद्ध खड़े होने के संकल्प की सार्थकता का प्रतीक है। भारतीय सनातन संस्कृति में शस्त्र-पूजन की परंपरा शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग, निर्बलों की रक्षा, धर्म एवं न्याय की स्थापना और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति कर्तव्यबोध का संदेश देती है। इसी सांस्कृतिक परंपरा और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सम्मान की भावना को व्यापक रूप से अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से राज्य शासन ने प्रदेश में विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 20 अक्टूबर को इंदौर में शस्त्र-पूजन करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ग्वालियर में और वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल बैतूल में शस्त्र पूजन आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में मंत्रीगण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। भारतीय परंपरा में शस्त्र-पूजन का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। यह सामरिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। विजयादशमी पर शस्त्रों का पूजन कर शक्ति के सदुपयोग, आत्मरक्षा और अन्याय के प्रतिकार का संकल्प लिया जाता है। यह परंपरा सिखाती है कि शक्ति का उद्देश्य आक्रमण या अत्याचार नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और निर्बलों की रक्षा करना है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त करने से पूर्व मां शक्ति की उपासना की और अपने अस्त्र-शस्त्रों का पूजन किया था। महाभारत की परंपरा में भी पांडवों द्वारा अज्ञातवास के दौरान सुरक्षित रखे गए अपने अस्त्र-शस्त्र विजयादशमी पर पुनः प्राप्त कर उनका पूजन करने का उल्लेख मिलता है। भारतीय इतिहास में छत्रपति शिवाजी महाराज सहित अनेक शूरवीर योद्धाओं द्वारा विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन और विजय-प्रस्थान की परंपरा रही है। सनातन संस्कृति में शास्त्र और शस्त्र दोनों का समान महत्व है। शास्त्र ज्ञान, संस्कार और जीवन-मूल्यों का मार्गदर्शन करते हैं, जबकि शस्त्र अन्याय के प्रतिकार तथा समाज और राष्ट्र की रक्षा के साधन हैं। ' धर्मो रक्षति रक्षितः' का भाव भी यही प्रेरणा देता है कि धर्म, न्याय और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए सामर्थ्य के साथ कर्तव्य का निर्वहन आवश्यक है। शस्त्र-पूजन की परंपरा भारतीय सेना, पुलिस और सुरक्षा बलों के साहस, अनुशासन तथा राष्ट्ररक्षा के संकल्प से भी जुड़ी है।



घाटों की एप्रोच रोड, पेयजल, सीवरेज और श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्थाओं को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

सिंहस्थ-2028 के सभी निर्माण कार्य तेज गति से पूर्ण करें : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सिंहस्थ से संबंधित सभी निर्माण कार्य तेज गति से निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। जिन कार्यों की स्वीकृति की प्रक्रिया लंबित है, उनकी स्वीकृतियां नवंबर माह में अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएं। सिंहस्थ मेला कार्यालय, कलेक्ट्रेट और सिंहस्थ सेल में आवश्यक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदस्थापना इसी सप्ताह सुनिश्चित की जाए। सभी संबंधित विभाग सिंहस्थ के लिए पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए पृथक अमला तैनात करें, ताकि कार्यों का क्रियान्वयन समयबद्ध ढंग से हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को उज्जैन में सिंहस्थ-2028 के निर्माण कार्यों एवं तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का आकलन करते हुए उनके आवागमन, यातायात, पार्किंग, ठहरने तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित योजना तैयार की जाए। घाटों तक पहुंचने वाले मार्गों के निर्माण और विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। पंचक्रोशी यात्रा मार्ग पर निर्धारित योजना के अनुसार डोम विकसित किए जाएं। साथ ही, पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित कर श्रद्धालुओं के आवागमन एवं व्यवस्थाओं की अग्रिम कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। इसके लिए आसपास के स्कूलों एवं कॉलेजों को चिन्हित कर वहां आवश्यकतानुसार शौचालय निर्माण, पेयजल की उपलब्धता, मरम्मत तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास की योजना बनाई जाए। उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मार्गों पर स्थित सांदीपनि विद्यालयों के उपयोग की भी योजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर के आंतरिक क्षेत्रों तथा मेला क्षेत्र में पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता और सीवरेज संबंधी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग के लिए पर्यटन विभाग एवं पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्ययोजना तैयार करें। घट्टिया, तराना तथा आसपास के उन क्षेत्रों में, जहां से सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं का आवागमन होगा, टेंट सिटी एवं होल्डिंग एरिया विकसित करने की संभावनाओं पर भी कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने किसानों और सामाजिक संस्थाओं को टेंट सिटी विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की अतिरिक्त सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने होम-स्टे का दायरा बढ़ाने तथा आवश्यकतानुसार अन्य आवासीय व्यवस्थाओं के विकास पर भी विचार करने की बात कही। सिंहस्थ के दौरान विद्युत व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में पृथक सिंहस्थ डिवीजन स्थापित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के निर्माण कार्यों के लिए उज्जैन में सकारात्मक वातावरण है और नागरिकों का सहयोग भी मिल रहा है। प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि विकास कार्यों के दौरान आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो। सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित होने वाले व्यापारियों के रोजगार एवं व्यवसाय को पुनः स्थापित करने के लिए प्रभावी योजना बनाई जाए, ताकि उन्हें नए और उपयुक्त व्यावसायिक स्थल उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर के मार्गों का जितना बेहतर विकास होगा, व्यापारिक गतिविधियों को भी उतना ही प्रोत्साहन मिलेगा। हालांकि, सड़क चौड़ीकरण के कारण प्रभावित होने वाले बाजारों और दुकानदारों के हितों का ध्यान रखना भी आवश्यक है। इसके लिए वैकल्पिक बाजारों के स्थलों का चयन कर उनका व्यवस्थित विकास किया जाए।



उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने माँ कालिका का लिया आशीर्वाद

शारदीय नवरात्रि की महाष्टमी पर भव्य भगवती जागरण का हुआ आयोजन

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

शक्ति उपासना के महापर्व शारदीय नवरात्रि की महाष्टमी के पावन अवसर पर रीवा के ऐतिहासिक रानी तालाब स्थित माँ कालिका मंदिर प्रांगण में विशाल एवं भव्य भगवती जागरण का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक और उल्लासपूर्ण कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की और माँ कालिका के चरणों में शीश नवाकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। महाष्टमी की इस पवित्र रात्रि में आयोजित जागरण के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। सुरीले और मधुर देवी भजनों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। माता रानी के जयकारों और भजनों की गूंज से पूरा वातावरण पूरी तरह स्पंदित हो उठा। भजनों के इस अनूठे संगम ने श्रद्धालुओं के मन में एक अलौकिक आत्मिक शांति और ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि शारदीय नवरात्रि का यह महापर्व हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और आत्मिक शुद्धि का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि माँ कालिका और आदिशक्ति दुर्गा की कृपा से रीवा सहित पूरे मध्य प्रदेश में विकास, भाईचारा और शांति का वातावरण निरंतर बना हुआ है। आज इस महाष्टमी के पुण्य अवसर पर मैंने माँ से प्रार्थना की है कि वे राज्य के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सुख, समृद्धि, वैभव और उत्तम आरोग्य का संचार करें। उप मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं को महाष्टमी की हार्दिक बधाई देते हुए धर्म और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया।

इस भव्य आयोजन की गरिमा बढ़ाने के लिए क्षेत्र के कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में धर्मनिष्ठ श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद श्री जनार्दन मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता, पूर्व विधायक श्री के. पी. त्रिपाठी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक व माँ कालिका के भक्तगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माँ कालिका का आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रसाद ग्रहण किया।



भोपाल में दुर्गा विसर्जन-दशहरे को लेकर गाइड लाइन

घाटों पर 24 घंटे तैनात रहेंगे गोताखोर, संकरी गलियों में रावण दहन नहीं



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन और दशहरे को लेकर नगर निगम ने पहली बार गाइड लाइन जारी की है। इसमें घाट और रावण दहन स्थल पर सुरक्षा के खास इंतजाम करने को कहा गया है। ताकि, कोई हादसा न हो सके। बता दें कि 8 अक्टूबर को न्यू मार्केट में भीषण अग्निकांड हुआ था। छोले भटूरे की दुकान में लगी आग ने आसपास की कई दुकानों को भी चपेट में ले लिया था। इससे करोड़ों का नुकसान हुआ था। इसके बाद नगर निगम ने गाइड लाइन जारी कर दुर्गा समिति और रावण दहन समितियों को निर्देश जारी किए हैं। 7 हजार से ज्यादा प्रतिमाओं का विसर्जन होगा शहर में कुल 7 हजार से अधिक प्रतिमाओं का विसर्जन होगा, जो तीन दिन तक चलेगा। इसके लिए प्रशासन ने खटलापुरा, प्रेमपुरा, बैरागढ़, हथाईखेड़ा, शाहपुरा, आर्च ब्रिज, मालीखेड़ी, सीहोर नाका, अनंतपुरा, ईटखेड़ी और नरोन्हा सांकल समेत अन्य प्रमुख घाटों पर व्यवस्थाएं की हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए घाटों पर बेरिकेडिंग की गई है और करीब 5 हजार अधिकारी-कर्मचारी सुरक्षा, सफाई और विसर्जन की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रत्येक घाट पर गोताखोर तैनात हैं और क्रेन, जेसीबी व लाइफ जैकेट की व्यवस्था की गई है।

दशहरा पर भोपाल में भारी वाहनों की नो-एंट्री

भोपाल में दशहरा पर्व पर मंगलवार, 20 अक्टूबर को शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव रहेगा। रावण दहन के प्रमुख कार्यक्रमों और श्री रामविजय रथ यात्रा के चलते कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। नगरीय यातायात पुलिस के मुताबिक, दोपहर 2 बजे से शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। वहीं, शाम 5 बजे के बाद जरूरत के अनुसार अलग-अलग क्षेत्रों में डायवर्जन लागू किया जाएगा। शहर के 18 प्रमुख दशहरा मैदानों पर रावण दहन के कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा करीब 50 से 60 स्थानों पर पथ संचलन भी निकाला जाएगा।



इन रास्तों से शहर में नहीं आ सकेंगे भारी वाहन

20 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से खजूरी बायपास, मुबारकपुर चौराहा, नया बायपास लांबाखेड़ा, चौपड़ाकला बायपास, पटेलनगर, भानपुर, बेस्टप्राइज, करोंद चौराहा, लालघाटी, प्रभात पेट्रोल पंप चौराहा, सुभाष नगर फाटक, जिन्सी चौराहा, हबीबगंज नाका, सूरज नगर और मिसरोद 11 मील से भारी वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

छोला मैदान जाने वालों के लिए वैकल्पिक रास्ते

भानपुर चौराहे से छोला दशहरा मैदान की ओर केवल उन्हीं हल्के और दोपहिया वाहनों को जाने की अनुमति होगी, जिन्हें रावण दहन कार्यक्रम में शामिल होना है। नादरा बस स्टैंड और डीआईजी बंगले की ओर जाने वाले वाहन बेस्टप्राइज तिराहा, कृषि उपज मंडी, जेपी नगर तिराहा, डीआईजी बंगला चौराहा या गणेश मंदिर छोला अंडरब्रिज के रास्ते जा सकेंगे। विदिशा और बैरसिया की ओर से आने वाली नादरा बस स्टैंड और पुतलीघर बस स्टैंड जाने वाली बसें भानपुर चौराहे या बेस्टप्राइज तिराहे तक ही आ सकेंगी। शाम 6 बजे के बाद इन बसों को दोनों बस स्टैंड की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी।

रथ यात्रा के दौरान इन रास्तों पर रहेगी रोक

श्री रामविजय रथ यात्रा बांके बिहारी मंदिर, मारवाड़ी रोड से शुरू होकर चिंतामन चौराहा, यूनानी सफाखाना, सुल्तानिया रोड, चौकी चौक, घोड़ा नक्कास, छोटे भैया चौराहा और नादरा बस स्टैंड होते हुए छोला दशहरा मैदान पहुंचेगी। रथ यात्रा के नादरा बस स्टैंड पहुंचने पर भोपाल टॉकीज चौराहा और अल्पना तिराहे से नादरा की ओर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

गेहूं नहीं, इस आटे की रोटी खाती हैं अनुष्का शर्मा, कैंसर सर्जन ने बताए फायदे!



बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो गेहूं के आटे की रोटी नहीं खाती हैं। इसकी जगह वो अमरंथ यानी राजगिरा के आटे से बनी रोटी खाती हैं, जो ग्लूटेन फ्री है। डॉक्टर से जानते हैं इसके फायदे।

हेल्दी और फिट रहने के लिए सिर्फ वर्कआउट करना ही काफी नहीं है, बल्कि इसमें सबसे जरूरी है आपकी डाइट। आप क्या खाते हैं, इसका असर आपकी बॉडी पर सबसे ज्यादा होता है। इसके लिए जरूरी नहीं कि महंगे सुपरफूड्स ही डाइट में शामिल किए जाएं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा में अपने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि वो गेहूं के आटे की रोटी नहीं खाती हैं। इसकी जगह वो अमरंथ, जिसे हिंदी में राजगिरा भी कहा जाता है; से बनी रोटी खाना पसंद करती हैं। ये कोई विदेश से आया महंगा सुपरफूड नहीं है, बल्कि हमारी दादी-नानी पहले इसे ही खाया करती थीं। एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए कैंसर सर्जन डॉ वर्तिका विश्वानी ने गेहूं की जगह अमरंथ की रोटी खाने के फायदे बताए हैं। आइए जानते हैं-

प्रोटीन का कंप्लीट सोर्स है अमरंथ की रोटी

डॉ वर्तिका कहती हैं कि अमरंथ यानी राजगिरा में सभी नौ एसेंशियल अमीनो एसिड पाए जाते हैं, जो इसे प्रोटीन का कंप्लीट सोर्स बनाते हैं। अगर एक कप पके हुए अमरंथ की बात करें, तो उसमें लगभग 9 ग्राम हाई क्वालिटी प्रोटीन मिल जाता है। अगर आप वेजिटेरियन हैं और डेली प्रोटीन रिक्वायरमेंट पूरा करने में आपको परेशानी होती है, तो अपनी डाइट में अमरंथ की रोटी शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

ग्लूटेन फ्री डाइट लेने वालों के लिए अच्छा विकल्प

गेहूं के आटे में ग्लूटेन पाया जाता है, जबकि अमरंथ का आटा प्राकृतिक रूप से ग्लूटेन फ्री होता है। अगर आपको ग्लूटेन सूट नहीं होता है या आपको डॉक्टर ने ग्लूटेन फ्री डाइट लेने की सलाह दी है, तो राजगिरा के आटे की रोटी खाना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर है राजगिरा

डॉ वर्तिका बताती हैं कि राजगिरा में प्रोटीन के अलावा फाइबर, आयरन, मैग्नेशियम, मैंगनीज और फॉस्फोरस जैसे अन्य जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। जो हड्डियों, मांसपेशियों, पाचन और एनर्जी के लिए बहुत जरूरी हैं।

अमरंथ में पाया जाता है लाइसिन

राजगिरा के आटे में लाइसिन (Lycine) नाम का एक एसेंशियल अमीनो एसिड पाया जाता है। ये शरीर में प्रोटीन बनाने और कॉलेजन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दरअसल कॉलेजन एक जरूरी प्रोटीन है, जो स्किन, बोन, टेंडन और दूसरे कनेक्टिव टिश्यूज को संरचना और मजबूती देने में मदद करता है।

अमरंथ को डाइट में कैसे शामिल करें?

गेहूं के आटे की जगह आप अमरंथ के आटे की रोटियां बनाकर खा सकते हैं। डॉ वर्तिका कहती हैं कि इसे गेहूं के आटे में मिक्स कर के भी रोटियां बनाई जा सकती हैं। इसके अलावा दलिया, चीला और खिचड़ी बनाकर भी अमरंथ को अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है।

देसी सब्जियों का जवाब नहीं



सब्जी बाड़ी की सोच ग्रामीण परिवारों के लिए भी प्रासंगिक है, यह उनकी आजीविका का अच्छा स्रोत है। वास्तव में, यह सोच शहरी परिवारों के लिए भी बहुत उपयोगी है, जो छोटे किचिन गार्डन से भी अपनी पौष्टिक और ताज़ी जैविक सब्जियों की जरूरत को कुछ हद तक पूरा कर सकते हैं। ग्रामीण बस्तियों की तुलना में शहरी बस्तियों में स्थान की कमी एक बड़ी बाधा है, लेकिन जैसा कि कहा जाता है, जहां चाह होती है, वहां राह होती है। कभी-कभी ज़मीन के छोटे-छोटे टुकड़ों या छतों का भी बहुत ही उत्पादक और रचनात्मक उपयोग किया जा सकता है।छत्तीसगढ़ की एक पहचान की यहां की विविधता भी है। यहां न केवल कई धान की प्रजातियां हैं, बल्कि कई प्रकार की हरी पत्तेदार सब्जियां भी हैं। यहां के लोगों को सब्जी बाजारों में इन ताज़ी सब्जियों को खरीदते देखा जा सकता है। छोटे गांवों, कस्बों से लेकर शहरों के यह सब्जी बाजार दैनंदिन दिनचर्या का हिस्सा हैं। आज इस कॉलम में इस पर ही बात करना चाहूंगा, जिससे इस रचनात्मक काम की ओर ध्यान दिया जा सके।

छत्तीसगढ़ राज्य सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध है। यहां की पारंपरिक खान-पान की संस्कृति भी अनूठी है। इन दिनों सब्जी बाजार में खट्टा भाजी (अमाड़ी भाजी), बांस करिल, करमत्ता भाजी और कई तरह के मशरूम बाजारों में आ रहे हैं। इसके अलावा, ऐसी भी कई हरी पत्तीदार भाजियां हैं, जो कुदरती तौर पर होती हैं, जैसे चुनचुनिया भाजी। यह सभी स्वाद में बेजोड़ हैं, और इनकी सब्जियां बनाने का तरीका भी अलग-अलग होता है।हाल ही हमने बांस की करिल की सब्जी खाई। यह बांस की कोंपल की भाजी होती है, जिसे बांस से काट कर, धोकर और छोटे छोटे टुकड़े कर पकाया जाता है। इसकी कड़वाहट दूर करने के लिए उबाल लिया जाता है और लहसुन-प्याज और मसालों के साथ सब्जी बनाई जाती है। इसी प्रकार, यहां की खट्टा भाजी को भी काफी पसंद किया जाता है। इसकी सब्जी तो बनती ही है, गर्मी के दिनों में इसके फूल सुखाकर शरबत भी बनता है। जिसें मैंने महाराष्ट्र के वर्धा में एक बीज प्रदर्शनी के दौरान चखा था।इन हरी पत्तीदार भाजियों व सब्जियों को धूप में सुखाकर भी रखते हैं, इसे सुखड़ी कहते हैं। यानी जब हरी पत्तीदार भाजियों का मौसम नहीं होता है, तब इसे पकाकर खाते हैं। सुखड़ी में चरौंटा, चेंच भाजी, तिवड़ा, (लाखड़ी) आदि की सुखड़ी होती हैं। इसी प्रकार, यहां रखिया (भुरा कुम्हड़ा) की बड़ी और बिजौरी भी बनाई जाती है। यह बहुत ही स्वादिष्ट होती है।यहां कई किस्म के फुटू (जंगली मशरूम) हैं। बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होते हैं। यह भी इन दिनों बाज़ार में आ रहे हैं। हाल ही हमने फुटू की सब्जी खाई। एक बार मुझे ग्रामीणों ने बताया था कि बोड़ा या फुटू (मशरूम) की सब्जी भी जंगल से मिलती है। दो प्रकार का होता है, जात बोड़ा (मशरूम) पहली बारिश में निकलता है, जबकि लाकड़ी बोड़ा ज्यादा बारिश होने पर निकलता है।इसी प्रकार, यहां के कई पारंपरिक व्यंजन हैं। बिलासपुर जिले में कार्यरत जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था जेवनार मेला आयोजित करती है। जिसमें गांवों से अलग-अलग तरह की भोजन सामग्री लाती हैं, और पारंपरिक व्यंजन बनाती हैं। मेले में आए लोगों को इसका स्वाद चखने को मिलता है। इससे देसी पारंपरिक व्यंजनों को बढ़ावा मिलता है। साथ देसी अनाजों व सब्जियों को उगाने को प्रोत्साहन मिलता है। खाद्य विविधता, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता भी होती है। जन स्वास्थ्य सहयोग ने देसी अनाजों को बढ़ावा देने के लिए भी कृषि कार्यक्रम चलाया है। जिसमें वे पौष्टिक अनाज और देसी धान को उगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

यहां धान के साथ पौष्टिक अनाज भी उगाए जाते हैं। जैसे यहां मडिया की खेती भी होती है। इसे रागी, नाचनी और मडुआ नाम से भी जाना जाता है। इसे हाथ की चक्की में दर कर खिचड़ी या भात बनाया जा सकता है। इसके आटे की रोटी भी बनाई जा सकती हैं। खुरमी या लड्डू भी बना सकते हैं। इसमें चूना (कैल्शियम) भरपूर मात्रा में होता है और कुछ मात्रा में लौह तत्व भी पाए जाते हैं। यहां इसके बिस्कुट भी बनाए जा रहे हैं।इसके अलावा, छत्तीसगढ़ में कई स्वयं सहायता समूह, सरकार व संस्थाएं सब्जी बाड़ी (किचिन गार्डन) को बढ़ावा देती है। जिसमें लौकी, कुम्हड़ा, मखना (कद्दू), बरबटी, सेमी, भिंडी, ग्वारफली, करेला, टमाटर, डोड़का (चिकनी तोरई), खट्टा भाजी, चेंच भाजी, झुरगा आदि लगाते हैं। फलदार पेड़ों में सीताफल, जाम, जामुन, मुनगा, नींबू, पपीता, करौंदा आदि का रोपण करवाते हैं। सब्जी बाड़ी से 6 से 8 महीने बाड़ी से हरी ताजी तरकारी मिलती हैं और इन्हें कुछ बेचकर आमदनी भी होती है।एक संस्था के कार्यकर्ता ने मुझे बताया था कि सब्जी बाड़ी में अगर कीट प्रकोप होता है तो स्थानीय स्तर पर जैव कीटनाशक तैयार किए जाते हैं। तम्बाकू काढ़ा, नीमतेल घोल, नीला थोथा सुहागा और पंचपर्णी (ऐसे पौधों के पत्ते जिन्हें जानवर नहीं खाते- जैसे नीम,करंज, धतूरा, सीताफल आदि) जैव कीटनाशक बनाए जाते हैं। ये सभी कीटनाशक ग्रामीण खुद तैयार करते हैं। उनका छिड़काव करते हैं। ये बाजार के कीटनाशकों की तुलना में काफी सस्ते हैं और आसानी से बनाए जा सकते हैं। जैव खाद तैयार कर मिट्टी को उपजाऊ बनाया जाता है जिससे अच्छी उपज आ सके।ब्जी बाड़ियों में सब्जियों की खेती गांवों में पारंपरिक तरीके से होती रही है। लोग अपने घर के पीछे बगीचे में व खेत में सब्जी उगाते रहे हैं। विशेषकर महिला किसानों की इसमें प्रमुख भूमिका होती है। उनमें इसे करने का स्वाभाविक कौशल भी है। बल्कि वे जहां भी रिश्तेदारी में जाती हैं, वहां से बीज लाकर लगाती हैं। बीजों का आदान-प्रदान होता रहता है। लेकिन समय के साथ इसमें कई कारणों से कमी आ रही है।सब्जी बाड़ी की सोच ग्रामीण परिवारों के लिए भी प्रासंगिक है, यह उनकी आजीविका का अच्छा स्रोत है। वास्तव में, यह सोच शहरी परिवारों के लिए भी बहुत उपयोगी है, जो छोटे किचिन गार्डन से भी अपनी पौष्टिक और ताज़ी जैविक सब्जियों की जरूरत को कुछ हद तक पूरा कर सकते हैं। ग्रामीण बस्तियों की तुलना में शहरी बस्तियों में स्थान की कमी एक बड़ी बाधा है, लेकिन जैसा कि कहा जाता है, जहां चाह होती है, वहां राह होती है। कभी-कभी ज़मीन के छोटे-छोटे टुकड़ों या छतों का भी बहुत ही उत्पादक और रचनात्मक उपयोग किया जा सकता है।

कुल मिलाकर, छोटे-छोटे खाली स्थानों में किचन गार्डन बनाने का पूरा काम इतना रचनात्मक है और इससे इतनी खुशी और आनंद मिल सकता है कि यह अपने आप में पूरे देश में इसे बढ़ावा देने के लिए एक अच्छा कारण हो सकता है, लेकिन इसके अलावा पोषण और स्वास्थ्य में इसका योगदान भी महत्वपूर्ण स्तर पर हो सकता है। छत्तीसगढ़ में सब्जी बाड़ी की परंपरा रही है, और इसमें विविधता के साथ पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन भी मिलता है। यह हाथ से उत्पादन, श्रम आधारित जीवनशैली का बहुत ही अच्छा उदाहरण है।

संपादकीय

सुखना अब 'रामसर'

यह सुखद ही है कि अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चंडीगढ़ की सुखना झील के महत्व को स्वीकारा गया है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुखना वेटलैंड को 'रामसर साइट' का दर्जा मिलना चंडीगढ़ के लिये गर्व की बात है। लेकिन यह सम्मान मिलना हमारी जवाबदेही को भी बढ़ाना वाला भी है। साथ ही मानकीकरण, एक ऐसे पारिस्थितिकीय तंत्र को संरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल देता है- जो इसके तल पर गाद जमा होने,जल भंडारण क्षमता घटने तथा बढ़ते पर्यावरणीय दबावों के कारण हमारे सामने चुनौती पैदा कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय पहचान पाने वाला शहर का यह पहला वेटलैंड यानी आर्द्रभूमि, केवल सरकारी उपलब्धि का प्रतीक मात्र बनकर नहीं रह जाना चाहिए। अब जरूरत इसकी मूल समस्याओं को दूर करने की होगी। उल्लेखनीय है कि यह 'रामसर' नाम ईरान के एक शहर के नाम से आया है, जहां इसे वर्ष 1971 में आर्द्रभूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन में अपनाया गया था। निस्संदेह, सुखना केवल मनोरंजन का एक स्थान मात्र नहीं है। इसका पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य शिवालिक जलग्रहण क्षेत्र, आसपाल के जंगलों और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों पर निर्भर करता है। इस व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र को बचाए बिना केवल झील का संरक्षण करना एक अदूरदर्शी कदम होगा। यहां यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल जाने से ही पारिस्थितिकीय अस्तित्व की गारंटी नहीं मिल जाती है। विगत में देश के अन्य भागों के अनुभव हमें एक चेतावनी देने का काम करते हैं। पूर्वी कोलकाता के वेटलैंड्स बढ़ती जनसंख्या के चलते अतिक्रमण और तेजी से विस्तार लेते शहरीकरण की समस्या का सामना कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कश्मीर की वुलर झील का जल क्षेत्र सिमट रहा है। उसकी स्थिति समय के साथ खराब हुई है। कमोबेश ऐसी ही समस्या ओडिशा की चिल्का झील की भी है, जो गाद जमा होने की चुनौती से जूझ रही है। ऐसे में चंडीगढ़ प्रशासन को आने वाले समय में सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिये दूरगामी नीतियों का अनुपालन करना होगा।अब शासन-प्रशासन को ध्यान देना चाहिए कि सुखना झील की जल भंडारण क्षमता, इसके तल में गाद जमने से लगातार कम हो रही है। वहीं दूसरी ओर जल स्तर में उतार-चढ़ाव और प्रदूषण का बढ़ना बताता है कि यहां निरंतर उपचारात्मक प्रयासों की जरूरत है। हम कभी-कभार गाद निकालने की कवायद करके समस्या का समाधान नहीं कर सकते। वास्तव में मिट्टी का संरक्षण, जल निकासी, चैनलों की सुरक्षा, वैज्ञानिक जल प्रबंधन और प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिये एकीकृत रणनीति बनाने की जरूरत होगी। वहीं रामसर का दर्जा मिलने का यह मतलब कदापि नहीं है कि यहां निर्माण कार्य नहीं हो सकते, या इससे फंडिंग की गारंटी मिलती है। हमें यह भी नहीं मान लेना चाहिए कि यह दर्जा मिलने से पारिस्थितिक नुकसान को रोका जा सकता है। निस्संदेह, प्रशासन को सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। इसके साथ ही जैव विविधता और पानी की गुणवत्ता की निगरानी के लिये पहल करनी चाहिए। इसके अलावा संरक्षण योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करना चाहिए। ध्यान रहे कि सुखना झील का जलग्रहण क्षेत्र चंडीगढ़ के बाहरी इलाके तक फैला हुआ है। इसलिए पंजाब और हरियाणा के साथ समन्वय भी उतना ही जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी आर्द्रभूमि, पारिस्थितिकीय तंत्र के लिये हमारी अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर होती है। इसके संरक्षण का असली मानक यह होगा कि झील का परिदृश्य अधिक स्वस्थ हो, उसकी जल भंडारण क्षमता बहाल की जाए और साथ ही वन्यजीवों के फलने-फूलने के लिये अनुकूल वातावरण बन सके। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुखना के संरक्षण से अब हर साल आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या में वृद्धि होगी।

दवा बिक्री के गलत तरीकों पर सर्वोच्च न्यायालय का आदेश स्वागत योग्य

दवाओं की ज़्यादा कीमत का हमारे लोगों के स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ता है। भारत में हेल्थ केयर पर होने वाले खर्च का लगभग 67 प्रतिशत हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है। नेशनल हेल्थ पॉलिसी, 2017 के अनुसार, हेल्थ केयर पर होने वाले ज़्यादा खर्च की वजह से हर साल लगभग 6.3 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं।स्वास्थ्य क्षेत्र में गलत मार्केटिंग तरीकों के बारे में फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर की गई एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद दिया गया सर्वोच्च न्यायालय का आदेश एक स्वागत योग्य कदम है। अदालत ने केंद्र सरकार से एक समिति गठित करने को कहा है जो डॉक्टरों को मुफ्त में दवा देने वाली कंपनियों के तरीकों पर रोक लगाने के उपायों की जांच करे। वह समिति प्रतिवेदन पर विचार करेगी और चिकित्सा क्षेत्र के पेशेवरों को उपहार और दूसरे फायदे देने सहित गलत दवा प्रोत्साहन के तरीकों को रोकने के उपायों की सिफारिश करेगी।हेल्थ केयर प्रोफेशनल और सिविल सोसाइटी के कई संबंधित संगठनों ने बार-बार सरकार की फार्मास्युटिकल मार्केटिंग तरीकों को असरदार तरीके से रेगुलेट करने में नाकामी के खिलाफ आवाज उठाई है। यह सब जानते हैं कि फार्मास्युटिकल कंपनियां अपने उत्पादनों के प्रचार पर बहुत सारा पैसा खर्च करती हैं। इस खर्च का एक बड़ा हिस्सा कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) के नाम पर, अक्सर बड़े पैमाने पर मेडिकल कॉन्फ्रेंस आयोजित करने में जाता है। इस तरह के खर्च से आखिर में दवाओं की कीमत बढ़ जाती है और मरीज़ों का अपनी जेब से चिकित्सा खर्च बढ़ जाता है।12 दिसंबर 2014 को, सरकार ने यूनिफॉर्म कोड ऑफ फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस (यूसीपीएमपी) पेश किया। उसी तारीख को केमिकल्स और फ़र्टिलाइज़र्स मंत्रालय के फ़ार्मास्युटिकल्स डिपार्टमेंट की तरफ़ से जारी एक सर्कुलर में कहा गया था कि यह कोड 1 जनवरी 2015 से छह महीने तक स्वैच्छिक रहेगा, जिसके बाद इसकी समीक्षा की जाएगी। जैसी कि उम्मीद थी, कोड को स्वैच्छिक बनाने से कोई खास नतीजे नहीं मिले।

इस नाकामी को मानते हुए, उस समय के केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री, एच. एन. अनंत कुमार ने जून 2016 में राज्यसभा में कहा कि 2015 में पेश किए गए स्वैच्छिक कोड से चाहे गए नतीजे नहीं मिले। उन्होंने इशारा किया कि सरकार इसे ज़रूरी बना देगी, क्योंकि दवा कंपनियों ने इसे असरदार तरीके से लागू करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया





है। कोड की धारा-6 और 7 दवा कंपनियों को मेडिकल प्रोफ़ेशनलों को मुफ़्त चीज़ें देने से रोकते हैं। इंडियन मेडिकल काउंसिल (प्रोफ़ेशनल कंडक्ट, एटीकेट और एथिक्स) रेगुलेशन भी डॉक्टरों को किसी भी तरह के आर्थिक लाभ लेने से रोकते हैं, जिसमें शिक्षा कार्यक्रम में शामिल होने से जुड़े फ़ायदे भी शामिल हैं। इसके अलावा, सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ डायरेक्ट टैक्सेस (सीबीडीटी) ने 1 अगस्त 2012 के अपने ऑर्डर में साफ़ किया था कि दवा कंपनियों द्वारा किया गया ऐसा खर्च टैक्स कटौती के योग्य नहीं होगा।यूसीपीएमपी यह भी कहता है कि डॉक्टरों को अनुसंधान प्रोजेक्ट में लगाते समय दवा कंपनियों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा तय की गयी प्रक्रिया का पालन करना होगा। हालांकि, कंपनियों ने कथित तौर पर अपने प्रचार सामग्री में डॉक्टरों के नाम, प्रोफ़ेशनल क्रेडेंशियल और फ़ोटो का इस्तेमाल किया, जो कोड के तहत मना है

मज़े की बात यह है कि सितंबर 2020 में, उस समय के रसायन और उर्वरक मंत्री, डी. वी. सदानंद गौड़ा ने संसद में कहा था कि केंद्र सरकार के यूसीपीएमपी को ज़रूरी बनाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने यह बयान केरल से कांग्रेस सांसद के. मुरलीधरन के लोकसभा में उठाए गए एक सवाल के जवाब में दिया था। सरकार के पहले के रुख से इस तरह पलटना बहुत निराशाजनक था। सरकार के यूसीपीएमपी को ज़रूरी बनाने के अपने वादे से पीछे हटना, फार्मास्युटिकल कंपनियों को असरदार तरीके से विनियमित करने की उसकी इच्छा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इससे नीति बनाने में वाणिज्यिक हितों के गलत असर को लेकर भी चिंताएं पैदा होती हैं। जब अलायंस ऑफ़ डॉक्टर्स फॉर इथिकल हेल्थ केयर के एक प्रतिनिधिमंडल ने, जिसमें इंडियन डॉक्टर्स फॉर पीस एंड डेवलपमेंट (आईडीपीडी) के पदाधिकारी भी शामिल थे, नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) को अपने विचार बताए, तो उन्हें बताया गया कि एनपीपीए के पास इन तरीकों को विनियमित करने का कोई अधिकार नहीं है और ज़रूरी बदलाव मंत्री स्तर पर संबंधित कानूनों में बदलाव करके करने होंगे।दवाओं की ज़्यादा कीमत का हमारे लोगों के स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ता है। भारत में हेल्थ केयर पर होने वाले खर्च का लगभग 67 प्रतिशत हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है। नेशनल हेल्थ पॉलिसी, 2017 के अनुसार, हेल्थ केयर पर होने वाले ज़्यादा खर्च की वजह से हर साल लगभग 6.3 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। इस खतरनाक स्थिति के बावजूद, सरकार दवाओं और मेडिकल डिवाइस पर बहुत ज़्यादा मुनाफे को रोकने के लिए कोई सही कदम नहीं उठा पाई है।

16 सितंबर 2015 को दवाओं की बिक्री में ज़्यादा मुनाफे की जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। कमेटी ने फार्मास्युटिकल बाजार में मौजूद बहुत ज़्यादा मुनाफे को गंभीरता से लिया और बताया कि कुछ मामलों में, मुनाफा 5,000 प्रतिशत तक थे। इसने 9 दिसंबर 2015 को अपनी रिपोर्ट दी। फिर भी, लगभग ग्यारह साल बीत जाने के बाद भी, सरकार इन सिफारिशों पर कोई ठोस कदम उठाने में नाकाम रही है। जब बात दवाओं के किफायती होने की हो, तो इतनी लंबी निष्क्रियता बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।दवाओं की कीमतें उत्पादन की वास्तविक लागत के आधार पर तय होनी चाहिए, जिसमें उचित और पारदर्शी मुनाफा शामिल हो। अभी जो बाजार-आधारित मूल्य निर्धारण का तरीका अपनाया जा रहा है–जिसमें प्रमुख या सबसे ज्यादा बिकने वाले ब्रांडों की कीमतों का औसत निकालकर दाम तय किए जाते हैं–वह बुनियादी तौर पर ही गलत है। यह तरीका दवाओं को किफायती बनाने के बजाय, ऊंची कीमतों को बनाए रखने और मरीजों का नुकसान करके व्यावसायिक हितों को बचाने का काम करता है।

हमें अपने पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के उस दृष्टिकोण को याद रखना चाहिए, जिन्होंने समझ लिया था कि निजी मुनाफे पर चलने वाले दवा उद्योग में लोगों के शोषण की पूरी गुंजाइश है। इसलिए, उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र में दवा निर्माण को बढ़ावा देने की पहल की, ताकि जरूरी दवाएं किफायती दामों पर उपलब्ध कराई जा सकें। 1961 में %इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड' (आईडीपीएल) का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा था– %दवा उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र में होना चाहिए।... मुझे लगता है कि दवा जैसा उद्योग किसी भी हाल में निजी क्षेत्र में नहीं होना चाहिए। इस उद्योग में आम जनता का बहुत ज्यादा शोषण होता है।'

इसी सोच के साथ, अप्रैल 1961 में आईडीपीएल की स्थापना की गई। इसका मुख्य उद्देश्य जीवनरक्षक दवाओं के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाना, आयात पर निर्भरता कम करना और यह सुनिश्चित करना था कि लाखों लोगों को किफायती दामों पर दवाएं मिल सकें। इसका मूल सिद्धांत यह था कि दवाओं से करोड़ों कमाने के बजाय, करोड़ों लोगों तक दवाएं पहुंचाई जाएं। आईडीपीएल ने भारत के दवा निर्माण ढांचे को विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाई और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

क्या आप भी

ब्रोकली

को हफ्तेभर तक रखना चाहते हैं फ्रेश?

जानें इसे लंबे समय तक स्टोर करने का सबसे आसान तरीका

जब भी हम ब्रोकली खरीदकर घर लाते हैं तो कई बार हम उसे सही तरीके से स्टोर नहीं कर पाते और वह जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आप इसे एक हफ्ते तक ताजा रखना चाहते हैं तो इसके लिए आप इसे घर पर ही सही तरीके से स्टोर कर सकते हैं। इसे खाने से एक नहीं बल्कि अनेक लाभ हो सकते हैं। यह आपके वजन को नियंत्रित रखता है, मधुमेह के खतरे को कम करता है, ब्रोकली हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। आइये जानते हैं इसे स्टोर करने का सही तरीका क्या है?



मध्यम आकार में काटें और एक तरफ रख दें।

अगर आप ब्रोकली को एक सप्ताह तक ताजा रखना चाहते हैं तो सबसे पहले उसे मध्यम आकार में काट लें और पानी से साफ कर लें। अब इसे निकाल कर एक प्लेट में रख लें और 10 से 15 मिनट तक पानी सूखने के लिए छोड़ दें। अब आप ब्रोकली को दूसरे बर्तन में निकाल कर फ्रिज में रख सकते हैं।

कांच के जार में स्टोर करें.

यदि आपके घर में रेफ्रिजरेटर नहीं है, तो आप ब्रोकोली को कांच के जार में रख सकते हैं। इसके लिए आप इसका एक फूल लें। इसके बाद इसके पिछले हिस्से को अच्छे से काटकर साफ कर लें। अब एक कांच के जार में आधे से भी कम पानी भरें और उसमें ब्रोकली डालें। इससे आपकी ब्रोकली एक सप्ताह तक ताज़ा बनी रहेगी।

फलों से दूर रखें

यदि आप ब्रोकली को फ्रिज में रख रहे हैं, तो इसे किसी खट्टे फल या अन्य फलों के साथ न रखें, क्योंकि कई फल एथिलीन गैस छोड़ते हैं, जैसे केला, सेब और नाशपाती, जो ब्रोकली को खराब कर सकते हैं। ऐसे में फलों को फ्रिज में रखने की बजाय बाहर निकालकर रख दें।



क्या हमेशा घर दिखता है बिखरा और गंदा? तो ऑर्गेनाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

कहा जाता है कि घर एक पारिवारिक जीवन का दर्पण होता है, जिसे देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार के सदस्य अपने जीवन में कितने व्यवस्थित हैं। इतना ही नहीं, अगर आप अपने घर को सही तरीके से व्यवस्थित नहीं रख पाते हैं तो इससे आपके दैनिक जीवन में भी काफी मुश्किलें पैदा होने लगती हैं। उदाहरण के लिए, आपको हर समय इस्तेमाल के लिए चीजें ढूंढनी होंगी, घर में मेहमान आने वाले हैं तो लिविंग रूम को जल्दी से साफ करने का तनाव रहेगा, घर में नकारात्मक ऊर्जा आएगी और कई बार तो आपका जल्दी घर आने का भी मन नहीं करेगा। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किन 7 टिप्स को अपनाकर आप अपने जीवन को आसान और व्यवस्थित बना सकते हैं।

बिस्तर की चादर और तकिया कवर

जब भी आप अपने बिस्तर और तकिये के कवर को साफ करें या बदलें तो उन्हें एक साथ रखें। इसके लिए, इन सभी को मोड़कर एक तकिये के कवर के अंदर रख दें। ऐसा करने से आपको हर बार उन्हें खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लेबल

रसोईघर में रखे सभी जार पर चॉकबोर्ड या पेंट की मदद से लेबल लगाएं और उन्हें सामने की ओर सजाकर रखें। भंडारण के लिए उन्हें अलग-अलग बक्सों में रखने के बजाय एक ही बक्से का उपयोग करना बेहतर होगा। ऐसा करने से वे अच्छे दिखेंगे और व्यवस्थित भी रहेंगे।

इसे रख दें।

रसोईघर के दराजों या रैकों में सॉसपैन आदि को एक के ऊपर एक रखने से अधिक जगह घेरती है और यह देखने में भी अव्यवस्थित लगते हैं। बेहतर होगा कि आप इन्हें हैंगर पर लटका दें। इनका उपयोग भी आसान होगा।

दराज विभाजक का उपयोग करें

यदि आप अपने दराज में मेकअप, वॉलेट, चाबियाँ या अन्य चीजें एक साथ रखते हैं, तो दराज डिवाइडर का उपयोग करना बेहतर होगा। आपको रसोई के दराजों में भी डिवाइडर का उपयोग करना चाहिए और चाकू, चम्मच, कांटे आदि को अलग-अलग रखना चाहिए। इससे वस्तुएं व्यवस्थित रहेंगी और उनका उपयोग करना भी आसान हो जाएगा।

मग और कप हैंगर

कप आदि को रसोई में रखने की बजाय आप उन्हें हैंगर या हुक पर लटका सकते हैं। ऐसा करने से वे एक-दूसरे से टकराकर टूटेंगे नहीं और उन्हें आसानी से उपयोग के लिए निकाला जा सकेगा।

रैक

आप अपने दरवाजे के पीछे एक लटकता हुआ जूता रैक लटका सकते हैं। आप इसमें अपने जूते, चप्पल और सैंडल व्यवस्थित तरीके से रख सकते हैं और आसानी से उपयोग के लिए निकाल सकते हैं। आपको हर बार पूरा रैक खाली करने और पहनने के लिए कुछ खोजने की जरूरत नहीं होगी।

बॉक्स का उपयोग

आप अलमारी में छोटे-बड़े कपड़े रखने, क्लीनर आदि रखने, डाइनिंग टेबल को व्यवस्थित करने आदि के लिए बक्सों का उपयोग कर सकते हैं। आप ऐसे स्टूल या टेबल का उपयोग कर सकते हैं जिसमें बॉक्स सिस्टम हो। ऐसा करने से आपके पास अधिक भंडारण स्थान होगा और सामान इधर-उधर फैलने के बजाय बॉक्स में ही रहेगा।



क्या आप भी जा रहे हैं लंबे दिनों के लिए घर से बाहर, तो ऐसे रखें अपने घर को सुरक्षित

कभी-कभी हमें किसी न किसी काम से घर से बाहर जाना ही पड़ता है, लेकिन यहां हम ऑफिस, स्कूल-कॉलेज आदि के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं। बल्कि हम ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहे हैं - जैसे कि आपको लंबे समय के लिए या कुछ दिनों के लिए घर से बाहर जाना पड़ता है। इसका कारण यात्रा हो सकती है, किसी की शादी में शामिल होना हो सकता है, कहीं बाहर जाकर कोई त्यौहार मनाना हो सकता है आदि। लेकिन ऐसे में एक सवाल हर किसी के मन में रहता है कि अगर हम घर से निकल रहे हैं तो क्या हमारा घर सुरक्षित है? क्योंकि हमने घर में जो चीजें रखी हैं, वे बहुत मेहनत से कमाई हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि अगर कोई लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहा है तो उसे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि उसका घर सुरक्षित रह सके। तो आइये जानते हैं इसके बारे में। इसके बारे में आप अगले अंक में जान सकते हैं...

गैस बंद कर दें.

लोग सबसे ज्यादा लापरवाही गैस को लेकर करते हैं, जबकि सभी जानते हैं कि हमारी एक छोटी सी गलती बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जब भी घर से बाहर जा रहे हों तो गैस चूल्हे के अलावा गैस सिलेंडर को भी रेगुलेटर से बंद कर दें। अगर आप भूल जाते हैं तो इस काम को अपनी लिस्ट में शामिल कर लें या फिर गैस के पास एक स्टीकर भी लगा सकते हैं जिस पर लिखा हो कि गैस बंद कर दें। ऐसा करके आप अपने घर को सुरक्षित करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ सकते हैं।

लाइटें बंद कर दें.

यदि आप घर से बाहर जा रहे हैं तो लाइटें बंद करना न भूलें। पंखा, कूलर, फ्रिज और एसी जैसी चीजों को मुख्य स्विच से बंद करें। इससे न केवल आपका बिजली बिल बचेगा बल्कि किसी प्रकार का नुकसान भी नहीं होगा क्योंकि कई बार बिजली की कम या ज्यादा शक्ति के कारण चीजें खराब हो सकती हैं।



पैट का ख्याल रखना.

कई लोग शौक के तौर पर पालतू जानवर (कुत्ते, बिल्ली आदि) पालते हैं, लेकिन जब बात उनकी देखभाल की आती है, तो... तो इसमें उनकी लापरवाही साफ तौर पर दिखाई देती है। अगर आप लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो या तो आप पैट को साथ ले जाएं। आप अपने पालतू जानवर को कुछ शर्तों के साथ ट्रेन, हवाई जहाज और रोडवेज बसों में ले जा सकते हैं। यदि आप किसी अन्य कारण से अपने पालतू जानवर को अपने साथ नहीं ले जाना चाहते हैं, तो आप अपने पालतू जानवर को टेक केयर सेंटर यानी ऐसे स्थानों पर रख सकते हैं जहां पालतू जानवरों की देखभाल की जाती है। यहां आप कुछ शुल्क देकर अपने कुत्ते को जितने दिन चाहें छोड़ सकते हैं।

सुरक्षा पर ध्यान दें.

अगर आप घर से बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने घर की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। अपना घर ठीक से बंद करो और जाओ। आप चाहें तो अपने घर में किसी जिम्मेदार पड़ोसी या विश्वसनीय रिश्तेदार को भी रख सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर में सीसीटीवी लगाकर भी उस पर नजर रख सकते हैं।



अगर आपके भी गुलाब के पौधे बार-बार मुरझा रहे हैं, तो ऐसे करें इनकी केयर

घर के बाहर आंगन में लगाए गए गुलाब के पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग अपने घर के बाहर गुलाब के पौधे लगाना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार ये पौधे मुरझाने लगते हैं और इस वजह से पूरे घर का लुक खराब होने लगता है। ऐसी स्थिति में अधिकतर लोग परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर के बाहर लगा गुलाब का पौधा मुरझाने लगा है तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

गुलाब के पौधों को मुरझाने से बचाएं

गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचाने के लिए आप इन सुझावों का पालन कर सकते हैं। सबसे पहले आपको गुलाब के पौधे को रोजाना पानी देना चाहिए। यदि गर्मी का मौसम है तो आपको गुलाब के पौधे को दिन में 2 से 3 बार पानी देना चाहिए। आपको गुलाब के पौधे को कम से कम 6 घंटे धूप अवश्य देनी चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि सीधी धूप पत्तियों को जला सकती है।

नियमित रूप से खाद डालें.

इसके अलावा आपको गुलाब के पौधे में अच्छी मिट्टी डालनी चाहिए, क्योंकि मिट्टी में पर्याप्त पोषक तत्वों का होना बहुत जरूरी है। आपको गुलाब के पौधे को नियमित रूप से खाद देना चाहिए। आपको बाजार में आसानी से खाद मिल जाएगी। उर्वरक खरीदते समय पैकेट पर लिखे सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

पौधे की छंटाई अवश्य करें।

इसके अलावा मिट्टी में पानी का अच्छा विकास होना भी बहुत जरूरी है, तभी आपका पौधा मुरझाने से बच सकता है। गुलाब की सभी सूखी हुई शाखाएँ काट दो। इसके अलावा, छंटाई भी करें, इससे नई शाखाओं के विकास में मदद मिलेगी और पौधा अधिक सुंदर बनेगा।

कीटनाशक का प्रयोग करें

कई बार कीड़ों के कारण पौधा खराब होने लगता है, ऐसी स्थिति में आपको अपने पौधे की जांच कर कीटनाशक का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। सर्दियों में पौधे को ठंड लग सकती है। ऐसी स्थिति में उसका विशेष ध्यान रखें। वहीं, बरसात के मौसम में पौधे को ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती। आप इन सभी सुझावों का पालन करके गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।



हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



'तुम मेरे हो' में गुरमीत चौधरी को किस करने में क्यों नहीं झिझकीं

ईशा मालवीय

एक्ट्रेस ने बताई वजह

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस ईशा मालवीय अब जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं. एक्ट्रेस फिल्म 'तुम मेरे हो' से बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रही हैं. इस फिल्म में ईशा के साथ गुरमीत चौधरी नजर आएंगे. कुछ समय पहले ही ईशा ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ पोस्टर्स शेयर किए थे. इसके बाद फिल्म का ट्रेलर भी 9 अक्टूबर को रिलीज किया गया है. फिल्म के एक पोस्टर में ईशा और गुरमीत किस करते नजर आए थे, जिसके बाद से ही इसकी खूब चर्चा हो रही है.

अब एक्ट्रेस ने इस सीन की शूटिंग और इसे फिल्म के पहले प्रमोशनल पोस्टर के तौर पर जारी करने के पीछे की वजह बताई है. ईशा मालवीय ने बताया है कि वो गुरमीत को किस करने में बिल्कुल भी नहीं झिझकीं थीं. उनका कहना है कि वो काफी कॉन्फिडेंस हैं.

किसिंग सीन वाले पोस्टर पर क्या बोलीं ईशा ?

ईशा मालवीय ने जूम को दिए इंटरव्यू में बताया कि फिल्म का वायरल पोस्टर किसी अलग फोटोशूट के दौरान नहीं लिया गया था, बल्कि यह फिल्म के एक असली सीन की तस्वीर है. उन्होंने कहा, यह तस्वीर फिल्म के सीन से ली गई है. यह पल काफी दिलचस्प है, क्योंकि आपको पता चलेगा कि तमाम हालात से गुजरने के बाद



आकाश और तमन्ना की मुलाकात कैसे होती है. हमने पोस्टर के लिए अलग से कोई फोटोशूट नहीं किया था. सभी तस्वीरें फिल्म की शूटिंग के दौरान लिए गए शॉट्स से ही हैं. ईशा ने आगे बताया कि मेकर्स ने सबसे पहले किसिंग पोस्टर जारी करने का फैसला इसलिए लिया, ताकि फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़े और उन्हें पता चले कि 2000 के दशक वाला रोमांस एक बार फिर लौट रहा है.

ऑनस्क्रीन किस करना कितना मुश्किल ?

बिग बॉस 17 से पहचान बनाने वाली ईशा ने गुरमीत चौधरी के साथ इंटीमेट सीन शूट करने के अनुभव पर भी बात की. ईशा ने कहा, गुरमीत के साथ ऐसे सीन शूट करना मुश्किल नहीं था, क्योंकि वह एक शानदार एक्टर और इंसान हैं. इसके अलावा, मैं अपनी कॉन्फिडेंस की वजह से ही यहां तक पहुंची हूं. मुझे खुद पर इतना भरोसा है कि मैं किसी भी परिस्थिति का सामना कर सकती हूं.

कब रिलीज होगी तुम मेरे हो ?

तुम मेरे हो में गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. इनके अलावा फिल्म में शान आर. ग्रोवर, अनुष्का लुहार, रोमांच मेहता, श्रेयस परदिवाला, शालिनी कपूर, निखत खान और विकास वर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं. फिल्म 23 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

यामी गौतम

की नई नवेली ने ओपनिंग डे पर चौंकाया, जानिए फिल्म ने कितने रुपये कमाए

बॉक्स ऑफिस पर दशहरा के मौके पर बड़ा बॉक्स ऑफिस क्लैश देखने को मिल रहा है. कई सारी फिल्में एक साथ रिलीज हुई हैं जिसमें एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म यामी गौतम की भी है. यामी गौतम की फिल्म नई नवेली किलीज कर दी गई है. इसकी कमाई के ताजा आंकड़े आ गए हैं. फिल्म को कई फिल्मों का सामना करना पड़ रहा है. लेकिन इसके बाद भी ये फिल्म पहले दिन डिसेंट कमाई करने में सफल रही है. अब देखने वाली बात होगी कि पहले वीकेंड में इसका कलेक्शन कैसा जाता है. पिछले कुछ सालों से हॉरर-कॉमेडी फिल्मों ने काफी बढ़िया परफॉर्म किया है. स्त्री 2 और मुंज्या जैसी फिल्में इसका उदाहरण है.



ऐसे में वर्ड ऑफ माउथ नई नवेली फिल्म के लिए एक बड़ा फैक्टर प्ले करने वाला है. अगर लोगों को फिल्म भा जाती है तो फिर इसे सुपरहिट होने से कोई नहीं रोक सकता है. बॉलीवुड की अगली बड़ी फिल्म रामायण 5 नवंबर 2026 को रिलीज हो रही है. ऐसे में इस फिल्म के पास 20 दिन तक का समय है जिसमें ये अपने बजट को रिकवर कर प्रॉफिट की ओर जोर लगा सकती है.

नई नवेली ने कितने कमा लिए ?

नई नवेली फिल्म की बात करें तो इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सैकनिल्क की रिपोर्ट्स के मुताबिक ओपनिंग डे पर नेट कलेक्शन के मामले में 3.25 करोड़ कमा लिए हैं. वहीं दूसरी तरफ फिल्म ने ग्रॉस कलेक्शन के मामले में 3.83 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. फिल्म ने विदेश से पहले दिन 75 लाख रुपये कमाए हैं. इसे अगर जोड़ लिया जाए तो इस फिल्म का पहले दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 4.58 करोड़ रुपये का हो चुका है. देखने वाली बात होगी कि फिल्म आने वाले समय में अपनी कमाई से क्या कमाल कर के दिखाती है.

7 फिल्मों से सामना

ठीक तरह से देखा जाए तो यामी गौतम की इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म का सामना 7 फिल्मों से हो रहा है. इसमें रजनीकांत की जेलर 2, विजय देवरकोंडा की राणाबाली, हॉलीवुड की स्ट्रीट फाइटर और व्हेलफॉल, राजकुमार राव की प्रहार, अजय देवगन की दृश्यम 3 और सक्सेसफुल डिवोशनल फिल्म हनुमान अंश का नाम शामिल है.

अटैक हुआ आपके दोस्त पर.... 'वीकेंड के वार' में सलमान खान ने क्यों लगाई काजी तौकीर की क्लास? गुल्लू की हुई तारीफ



बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान इस वक्त कई वजहों से चर्चा में हैं. जिसमें से एक है उनका रियलिटी शो 'बिग बॉस 20', जिसमें पिछले हफ्ते खूब ड्रामा देखने को मिला. नकुल ढुल और गुल्लू की लड़ाई के बाद पूरे घर का माहौल बिगड़ गया. जिसके बाद बिग बॉस ने एक बड़ा फैसला लिया और वाइल्ड कार्ड शो में पहुंचे नकुल ढुल को बाहर कर दिया गया. इस पूरी सिचुएशन को गुल्लू ने काफी अच्छे से संभाला और अब वीकेंड के वार में भी इसपर बात हुई है. सलमान खान ने गुल्लू की तारीफ करते हुए कहा कि- आपने इसे बहुत अच्छे से हैंडल किया है और ऐसा पहले भी कई बार होता रहा है. लेकिन शो के नए प्रोमो में वो काजी की क्लास लगाते हुए नजर आ रहे हैं.

दरअसल कलर्स टीवी ने बिग बॉस 20 का नया प्रोमो जारी किया है. वीकेंड के वार में सलमान खान एक बार फिर पहुंच गए हैं. और आते ही सबसे पहला मुद्दा लड़ाई वाला ही रहा. जहां वो कहते हैं- गुल्लू वैरी वेल हैंडल, क्योंकि जो हुआ वो पहले भी हो चुका है इस पर में. काजी जब यह झड़प शुरू हुई आप जमीन पर बैठकर खा रहे थे. आप उठे भी नहीं और यह मसला शुरू हुआ है आप से. और अटैक हो रहा है आपके दोस्त पर.'

नहीं होगी नकुल ढुल की री-एंट्री

बिग बॉस के घर में इन दिनों हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिल रहा है. हाल ही में घर के अंदर नकुल ढुल और गुल्लू के बीच हुई भयंकर लड़ाई हुई. इस हंगामे के बाद मेकर्स ने कड़ा कदम उठाते हुए बड़ा फैसला लिया कि नकुल शो से बाहर होंगे. पर फिर खबर आई कि उनकी री-एंट्री हो सकती है. लेकिन अब क्लियर हो चुका है कि वो शो में नहीं लौटेंगे और बिग बॉस के इस फैसले को नहीं बदला जाएगा.

बिग बॉस के घर से बाहर हुआ ये कंटेस्टेंट, कम वोटों ने बिगाड़ा खेल?



सलमान खान का रिएलिटी शो बिग बॉस इस वक्त काफी चर्चा में है. शो में हर दिन ही नए-नए मुद्दे देखने को मिल रहे हैं और खूब लड़ाई झगड़ा भी हो रहा है. वहीं, हर हफ्ते किसी न किसी का सफर भी खत्म हो रहा है. इस बार भी घर सिर्फ आम्रपाली और वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट मनीष गोयल को छोड़ कर बाकी सभी नॉमिनेटिड हैं. वहीं, आसिफ घर के कैप्टन थे. इसलिए वो भी नॉमिनेशन से सुरक्षित रहे. वैसे तो वीकेंड के वार के दूसरे दिन इविक्शन होता है. लेकिन इस बार पहले ही एविक्ट हुए कंटेस्टेंट का नाम सामने आ गया है.

जी हां, एक्स पर बिग बॉस की हर अपडेट देने वाले एक पेज ने एविक्ट हुए कंटेस्टेंट के नाम के खुलासा कर दिया है. इसे सुनकर आपको भी तगड़ा झटका लग सकता है. पेज के मुताबिक, बिग बॉस से अरिशफा खान, उदिति सिंह और अमन गांधी का ग्रुप टूटने वाला है. क्योंकि अमन को सबसे कम वोट मिले हैं, जिसकी वजह से वो घर से बेघर हो गए हैं.

अमन गांधी हुए बिग बॉस से बाहर

लाइव फीड अपडेट नाम के एक पेज ने एक्स पर ट्विट कर बताया है कि, अमन गांधी बिग बॉस हाउस से एविक्ट हो गए हैं. अमन को सबसे कम वोट मिले हैं, जिसकी वजह से वो बाहर हो गए हैं. शो में उनका सफर करीब 43 दिन का रहा है. शो में उनकी गेम किसी को भी समझ नहीं आई. सलमान खान ने भी कई वीकेंड के वार में अमन को गेम पर ध्यान देने की बात कही थी. अब शायद ऑडियसं को भी अमन का गेम समझ नहीं आया है. हालांकि, अभी तक मेकर्स ने इस बात की पुष्टि नहीं की है.

अब तक ये कंटेस्टेंट्स हो चुके हैं बाहर बता दें कि बिग बॉस से अब तक 4 कंटेस्टेंट्स बाहर हो चुके हैं. शो से रोहेद खान और ईशा सिंह को कम वोट मिलने की वजह से एविक्ट किया गया था. वहीं, रिती तिवारी का मिड वीक एविक्शन हुआ था, जिसका फैसला कैप्टनसी के दावेदार माही विज, उदिति सिंह और यंग डीएसए ने लिया था. वहीं घर में हिंसा करने की वजह से वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट नकुल ढुल को बिग बॉस ने बाहर का रास्ता दिखाया.

प्रदेशीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता में चैम्पियन बनीं लखनऊ और मेरठ की टीमें

एजेंसी

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद में 15 से 18 अक्टूबर तक चली प्रदेशीय विद्यालयीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता-2026 का भव्य समापन बहुत ही जोश और उत्साह के साथ हुआ। अंडर-17 में लखनऊ मंडल प्रथम, अयोध्या द्वितीय रहा और अंडर-19 में मेरठ मंडल प्रथम, वाराणसी द्वितीय रहा। विजेताओं को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्रदेशीय विद्यालयीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता-2026 की मेजबानी इस बार मुरादाबाद के द्वारा गई। जिसमें अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग में हुई इस प्रतियोगिता में यूपी के 23 मंडलों की टीमों ने हिस्सा लिया। रविवार को समापन समारोह में मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक शिवलाल, विशिष्ट अतिथि आपर जिलाधिकारी नगर अंकुर श्रीवास्तव रहे। आभार मुरादाबाद जिला विद्यालय निरीक्षक मुरादाबाद रितु तोमर ने व्यक्त किया। जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा शतानंद शर्मा का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान मद्य निषेध अधिकारी मनोज की गरिमामयी में उपस्थिति रही।

रांची में 22 अक्टूबर से शुरू होगी 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता

रांची। झारखंड पुलिस को 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2026-27 के आयोजन की जिम्मेदारी मिली है। प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 26 अक्टूबर तक रांची के होटवार स्थित खेलगांव परिसर में किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर की विभिन्न राज्यों की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा बलों की तीरंदाजी टीमें हिस्सा लेंगी।प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विभिन्न राज्यों और सुरक्षा बलों की टीमें 19 अक्टूबर से रांची पहुंचने लगेंगी। उपलब्ध कार्यक्रम के अनुसार, झारखंड सहित कुल 28 टीमें प्रतियोगिता में शामिल होंगी। इन टीमों में कुल 432 खिलाड़ी और अन्य सदस्य शामिल हैं। टीमों के आगमन को लेकर झारखंड पुलिस ने विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया है। इसके तहत 19 से 21 अक्टूबर तक टीमें रांची, हटिया और बरकाकाना रेलवे स्टेशनों पर पहुंचेंगी। कुछ टीमें बस से भी आएंगी।

रणजी ट्रॉफी : प्रियांश आर्य 199 रन बनाकर आउट, रिंकू सिंह ने जड़ा लगातार दूसरा शतक

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी मुकाबलों में दिल्ली के प्रियांश आर्य दोहरे शतक से चूक गए लेकिन उनकी शानदार पारी और कप्तान आयुष बडोनी के नाबाद शतक की बदौलत दिल्ली ने गुजरात के खिलाफ पहले दिन मजबूत स्थिति हासिल कर ली। वहीं, उत्तर प्रदेश के रिंकू सिंह ने गोवा के खिलाफ लगातार दूसरा शतक जड़कर टीम को मुश्किल से उबारा। विभिन्न मुकाबलों में उदय सहारन, सचिन बेबी और सचिन यादव ने भी शतकीय पारियां खेलीं, जबकि गेंदबाजों में तुषार देशपांडे, गुरजपनीत सिंह और साई किशोर ने शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने महज 125 गेंदों में अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। हालांकि, वह 199 रन बनाकर आउट हो गए और दोहरे शतक से एक रन दूर रह गए। कप्तान आयुष बडोनी ने नाबाद शतक जड़कर दिल्ली की स्थिति और मजबूत कर दी। उत्तर प्रदेश के लिए रिंकू सिंह ने अकेले दम पर संघर्ष किया। गोवा के खिलाफ उत्तर प्रदेश की टीम 137 रन पर नौ विकेट गंवाकर संकट में थी। इसके बाद रिंकू ने पारी को संभाला और टीम को 202 रन तक पहुंचाया। इस दौरान उन्होंने मौजूदा सत्र में लगातार दूसरा शतक भी लगाया।

रेल गांव क्लब और जैदी इंडोर क्लब बी ने दर्ज की जीत

प्रयागराज। सैयद असद कासिम अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता में रविवार को खेले गए मुकाबलों में रेल गांव क्लब और जैदी इंडोर क्लब बी ने जीत दर्ज की। मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर खेले गए पहले मैच में रेल गांव क्लब ने एमआईसी बी को 130 रन से हराया। दूसरे मुकाबले में जैदी इंडोर क्लब बी ने विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल को सात विकेट से पराजित किया। पहले मुकाबले में रेल गांव क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 198 रन बनाए। मोहम्मद अकसम अली ने 58, शादान अब्बास रिजवी ने 39, हर्षित जी सहाय ने 28, अनंत पाल ने 18 और मोहम्मद अशरफुल हक ने नाबाद 17 रन बनाए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमआईसी बी की टीम 17.5 ओवर में 68 रन पर सिमट गई। मोहम्मद हमजा खान ने 19 और अब्दुल रहमान ने 11 रन बनाए। रेल गांव क्लब की ओर से रेहान वजाहत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके।

एशियाई पैरा खेल : कपिल ने 69 सेकंड में रफली अहनाफ को हराकर जीता कांस्य

भारत को पहले दिन मिला तीसरा पदक

एजेंसी

नागोया। भारत के पैरा जूडो खिलाड़ी कपिल परमार ने सोमवार को एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। मध्य प्रदेश के सीहोर के रहने वाले कपिल ने पुरुषों के जे1-70 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में इंडोनेशिया के रफली अहनाफ शिदकी को महज एक मिनट नौ सेकंड में इप्पोन के जरिए हराकर पदक अपने नाम किया। यह मुकाबला आइची प्रीफेक्चरल मार्शल आर्ट्स हॉल में खेला गया। प्रतियोगिता के पहले दिन भारत का यह तीसरा पदक रहा। पेरिस पैरालंपिक के कांस्य पदक विजेता कपिल ने सेमीफाइनल में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए पदक जीता। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज कपिल ने 17वीं रैंकिंग वाले इंडोनेशियाई खिलाड़ी



शिदकी को शिकस्त देकर पोडियम पर जगह बनाई। कांस्य पदक मुकाबले तक पहुंचने के लिए कपिल को क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के बातारसुरेन बात-एर्डेन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दोनों के बीच मुकाबला निर्धारित समय में निर्णायक नहीं रहा, जिसके बाद गोल्डन स्कोर में कपिल ने चार मिनट 53 सेकंड के संघर्ष के बाद इप्पोन से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचने की उनकी उम्मीदों को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के जुनेदी ने झटका दिया। जुनेदी ने कपिल को इप्पोन से हराया। इस हार के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने हिम्मत नहीं हारी और कांस्य पदक के मुकाबले में महज 69 सेकंड में जीत दर्ज कर ली। दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के जे1 वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाले कपिल वर्ष 2017 से पैरा जूडो में सक्रिय हैं। कोच मुनव्वर अंजार अली सिद्दीकी के मार्गदर्शन में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उनके खाते में पेरिस पैरालंपिक 2024 का कांस्य, हांगझोऊ में आयोजित पिछले एशियाई पैरा खेलों का रजत पदक और 2019 राष्ट्रमंडल जूडो चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक शामिल है।

ला लीगा : रियल मैड्रिड ने सेविया को 4-1 से हराया, एम्बाप्पे ने दागे दो गोल

एजेंसी

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे के शानदार दो गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने रविवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के मुकाबले में सेविया को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया। टीम ने अगले सप्ताहांत बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले एल क्लासिको से पहले अपनी तैयारी मजबूत कर ली।रियल मैड्रिड के लिए अर्दा गुलर ने शानदार गोल कर टीम का खाता खोला। इसके बाद एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि यान डिओमांडे ने जोरदार शॉट पर गोल दागकर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इस जीत से रियल मैड्रिड ने रियल बेटिस को पीछे छोड़ दिया। एम्बाप्पे का पहला गोल बेहद शानदार रहा। उन्होंने सेविया के पेनल्टी क्षेत्र के किनारे गेंद पर बेहतरीन नियंत्रण दिखाते हुए डिफेंडरों को छकाया और गोल कर दिया। इसके बाद उन्होंने पेनल्टी पर पनेन्का शैली में गेंद को चिप करके अपना दूसरा गोल पूरा किया। अर्दा गुलर को मुकाबले की शुरुआत में कोहनी मारने के कारण सीधे लाल कार्ड से बचने का फायदा मिला। हालांकि, उन्होंने बाद में शानदार गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। सेविया की ओर से मैनुअल बुएनो ने बेहतरीन शॉट लगाकर एक गोल किया, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी। इस जीत के बावजूद रियल मैड्रिड शीर्ष स्थान की दौड़ में बार्सिलोना से छह अंक पीछे है। बार्सिलोना ने रियल बेटिस को बड़े अंतर से हराया था। एटलेटिको मैड्रिड अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। अगले सप्ताहांत कैंप नोउ में बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच होने वाला एल क्लासिको खिताबी दौड़ के लिहाज से अहम रहेगा।

हांगकांग सिक्सेस के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित, गुलबदीन नायब को मिली कप्तानी

हांगकांग सिक्सेस में प्रत्येक टीम मैदान पर छह खिलाड़ियों के साथ उतरती है और एक पारी में छह ओवर बल्लेबाजी करती है।

एजेंसी

हांगकांग। अफगानिस्तान ने हांगकांग सिक्सेस-2026 के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। छह खिलाड़ियों वाले इस तेजतर्रार क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में होगा। अफगानिस्तान की टीम में गुलबदीन नायब के अलावा फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जनत, नांगेयालिया खारोटे और सिदीकुल्लाह पाचा को शामिल किया गया है। टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ आक्रामक क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस में प्रत्येक टीम मैदान पर छह खिलाड़ियों के साथ उतरती है और एक पारी में छह ओवर बल्लेबाजी करती है। इस प्रारूप में तेज रन बनाना, आक्रामक बल्लेबाजी, रणनीतिक गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण जीत के लिए अहम होते हैं। अफगानिस्तान को ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और



ओमान के साथ रखा गया है। टीम अपने आक्रामक अंदाज और तेजतर्रार बल्लेबाजी के दम पर टूर्नामेंट में प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेगी। क्रिकेट हांगकांग, चीन के वाणिज्यिक एवं विपणन निदेशक अनुराग भटनागर ने कहा, 'अफगानिस्तान ने लगातार अपने खेल में जबरदस्त ऊर्जा और प्रतिस्पर्धी भावना दिखाई है। हमें हांगकांग सिक्सेस-2026 में उसकी टीम का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। यह टूर्नामेंट क्रिकेट के रोमांच, मनोरंजन और तेज गति वाले स्वरूप का उत्सव है। अफगानिस्तान की आक्रामक शैली टूर्नामेंट के रोमांच को और बढ़ाएगी। हम टीम के स्वागत और प्रशंसकों को यादगार क्रिकेट अनुभव देने के लिए उत्सुक हैं। ' हांगकांग सिक्सेस अपने अनूठे प्रारूप के लिए जाना जाता है, जिसमें बड़े शॉट, नए अंदाज की गेंदबाजी और लगातार रोमांच देखने को मिलता है। वर्ष 2026 के संस्करण में दुनिया भर की टीमें हिस्सा लेंगी। अफगानिस्तान की टीमः गुलबदीन नायब (कप्तान), फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जनत, नांगेयालिया खारोटे और सदीकुल्लाह पाचा।

सीरी ए : लाजियो ने युवेंटस को 3-0 से रौंदा, एसी मिलान और कोमो की भी जीत

युवेंटस के कोच लुसियानो स्पालेटी ने कहा, 'हम स्पष्ट रूप से विपक्षी टीम से पिछड़ गए। हमारे खेल में गति और विचारों की कमी थी।

एजेंसी

मिलान। लाजियो ने इटली की फुटबॉल लीग सीरी ए में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को मेजबान युवेंटस को 3-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ लाजियो अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान के बराबर पहुंच गया। गोल अंतर के आधार पर लाजियो दूसरे स्थान पर है। वहीं, एसी मिलान ने अटलांटा को 3-2 से हराया, जबकि कोमो ने फियोरेंटीना को 3-1 से शिकस्त देकर पांचवां स्थान हासिल किया।

लाजियो के सात लीग मुकाबलों के बाद 19 अंक हो गए हैं। यह क्लब का लीग सत्र के शुरुआती सात मैचों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले 1999-2000 सत्र की शुरुआत में टीम ने 17 अंक हासिल किए थे। उस सत्र में लाजियो ने अपना दूसरा और अब तक का आखिरी सीरी ए खिताब जीता था। लाजियो के कोच जेनारो गातुसो ने कहा, 'हम इस लीग में अप्रत्याशित रूप से अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम साबित हो सकते हैं, लेकिन हमें अपना तरीका नहीं बदलना चाहिए। हमें हर मुकाबले को अलग-अलग देखते हुए कड़ी मेहनत जारी रखनी होगी। ' लाजियो ने डेनमार्क के खिलाड़ियों के दो गोल की मदद से मुकाबले पर नियंत्रण बनाया।

ओलिवर प्रोव्स्टगार्ड ने 37वें मिनट में शानदार हेडर से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 66वें मिनट में गुस्ताव इसाकसेन ने गेंद को अंदर की ओर ले जाते हुए सटीक शॉट लगाया और बढ़त दोगुनी कर दी।

मैच समाप्त होने से तीन मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी फिसायो डेले-बशिरू ने अपने ही हाफ से गेंद लेकर युवेंटस के पेनल्टी क्षेत्र तक दौड़ लगाई और शानदार गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। युवेंटस के प्रशंसकों ने टीम के प्रदर्शन पर नाराजगी जताई। टीम अपने पिछले पांच लीग मुकाबलों में केवल एक जीत दर्ज कर सकी है और आठवें स्थान पर है। शीर्ष टीमों से उसका अंतर बढ़कर आठ अंक हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 16 हजार रन बनाने वाले पांचवें पाकिस्तानी खिलाड़ी बने बाबर आजम

एजेंसी

रावलपिंडी। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह तीनों प्रारूपों में कुल 16 हजार रन पूरे करने वाले पाकिस्तान के पांचवें बल्लेबाज बन गए। उन्होंने रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में यह मुकाम हासिल किया। बाबर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की 399वीं पारी में 16 हजार रन पूरे किए। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले पाकिस्तान के तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज हैं। उनसे पहले मोहम्मद यूसुफ ने 388 पारियों और जावेद मियांदाद ने 398 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था ।बाबर से पहले पाकिस्तान की ओर से जावेद मियांदाद, मोहम्मद यूसुफ, इंजमाम-उल-हक और यूनिस खान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 16 हजार से अधिक रन बना चुके हैं।

श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले से पहले बाबर को 16 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के लिए केवल सात रन की जरूरत थी। पाकिस्तान की पारी में साइम अयूब के तीसरे ओवर में आउट होने के बाद बाबर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने असिथा फर्नांडो की गेंद पर शानदार ड्राइव लगाकर अपना खाता खोला और इसके बाद ऑफ साइड में एक और आकर्षक शॉट खेलकर तीन रन हासिल किए। इसी दौरान उन्होंने 16 हजार रन का आंकड़ा पार कर लिया।

बाबर ने इस मुकाबले में 57 गेंदों पर 45 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके शामिल रहे। उन्हें एशान मलिंगा ने आउट किया।

पाकिस्तान अपनी घरेलू धरती पर श्रीलंका और इंग्लैंड के साथ एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला की मेजबानी कर रहा है। रविवार से शुरू हुई इस



प्रतियोगिता में डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप के तहत कुल सात मुकाबले खेले जाने हैं। फाइनल 31 अक्टूबर को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें अंक तालिका की शीर्ष दो टीमें आमने-सामने होंगी।

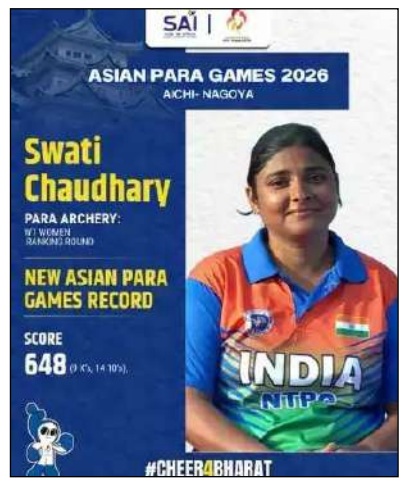
एशियाई पैरा खेलः स्वाति चौधरी ने तीरंदाजी में बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी

आइची-नागोया। भारत की पैरा तीरंदाज स्वाति चौधरी ने सोमवार को एशियाई पैरा खेल-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला तीरंदाजी की रैंकिंग स्पर्धा में नया एशियाई पैरा खेल रिकॉर्ड बनाया। अपने पहले एशियाई पैरा खेलों में हिस्सा ले रहीं स्वाति ने 648 अंक हासिल किए और चीन की मिनयी चेन के 2023 हांगझोऊ खेलों में बनाए 627 अंकों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। स्वाति ने पहले हाफ में 332 और दूसरे हाफ में 316 अंक हासिल किए। उन्होंने नौ बार एक्स और 14 बार 10 अंक का निशाना लगाया। उनके इस प्रदर्शन से भारतीय तीरंदाजी दल को प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत मिली।

शीतल देवी ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की

भारत की शीतल देवी ने महिला कंपाउंड तीरंदाजी की रैंकिंग स्पर्धा में 720 में से 704 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। यह मुकाबला ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क के बहुउद्देशीय मैदान में आयोजित हुआ। शीतल ने तुर्किये की ओजनुर क्योर के साथ संयुक्त रूप से विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया।



शीतल ने इसी साल बैंकॉक में बनाए अपने 698 अंकों के एशियाई रिकॉर्ड को छह अंकों से बेहतर किया। उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड के दोनों हाफ में 352-352 अंक हासिल किए। इस दौरान उन्होंने 32 बार एक्स और 25 बार 10 अंक का निशाना लगाया। वह रैंकिंग राउंड में पहले स्थान पर रहीं और 2023 हांगझोऊ एशियाई खेलों में बनाए अपने 680 अंकों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया।

भारत की एक अन्य तीरंदाज पायल नाग ने 675 अंक हासिल कर क्वालीफिकेशन में संयुक्त रूप से पांचवां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पहले हाफ में 334 और दूसरे हाफ में 341 अंक बनाए। उनके निशाने में 12 एक्स और 20 बार 10 अंक शामिल रहे।

महिला युगल में शीतल और पायल शीर्ष पर

शीतल देवी और पायल नाग ने महिला कंपाउंड युगल रैंकिंग राउंड में कुल 1,379 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। इसमें शीतल के 704 और पायल के 675 अंक शामिल रहे। पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी की रैंकिंग स्पर्धा में भारत के हरविंदर सिंह 631 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। उन्होंने पहले हाफ में 310 और दूसरे हाफ में 321 अंक हासिल किए। उनके निशाने में आठ एक्स और 13 बार 10 अंक शामिल रहे। विजय सुंडी ने 630 अंक हासिल कर सातवां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पहले हाफ में 318 और दूसरे हाफ में 312 अंक बनाए। उनके खाते में छह एक्स और 13 बार 10 अंक दर्ज रहे।

एशियाई पैरा खेलः मोना अग्रवाल ने बनाया एशियाई रिकॉर्ड, अवनि लेखरा दूसरे स्थान पर

एजेंसी

आइची-नागोया। भारत की निशानेबाज मोना अग्रवाल ने जापान के आइची-नागोया में जारी एशियाई पैरा खेल-2026 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा के क्वालीफिकेशन में नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया। वहीं, भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने महिला कंपाउंड रैंकिंग राउंड में विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए नया एशियाई रिकॉर्ड अपने नाम किया। इन शानदार प्रदर्शनों से भारत की पदक उम्मीदों को मजबूती मिली है।मोना ने छह सीरीज के बाद 629.1 अंक हासिल किए और क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान पर रहीं। उन्होंने चीन की झांग कुइपिंग के पिछले एशियाई रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मोना विश्व रिकॉर्ड से महज 0.3 अंक दूर रहीं। विश्व रिकॉर्ड 629.4 अंक भारत की अवनि लेखरा और स्लोवाकिया की वेरोनिका वादोविचोवा के नाम संयुक्त रूप से दर्ज है।

अवनि लेखरा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 626.4 अंक



हासिल किए और क्वालीफिकेशन में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इससे फाइनल में भारत की स्थिति मजबूत हुई। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा में भारत के राकेश निदागुंडी और स्वरूप उन्हालकर ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। राकेश 619.3 अंकों के साथ सातवें और स्वरूप 617.4 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहे। वहीं, आनंद कृष्णन 605.2 अंक हासिल कर 13वें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

शीतल देवी ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की

भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने महिला कंपाउंड रैंकिंग राउंड में 720 में से 704 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क के बहुउद्देशीय मैदान में यह उपलब्धि हासिल की। तुर्किये की ओजनुर क्योर के नाम भी संयुक्त रूप से यही विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।शीतल ने इस साल मार्च में बैंकॉक में बनाए अपने 698 अंकों के एशियाई रिकॉर्ड को छह अंकों से बेहतर किया। उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड के दोनों हिस्सों में 352-352 अंक हासिल किए। इस दौरान उन्होंने 32 बार एक्स और 25 बार 10 अंक का निशाना लगाया। वह रैंकिंग राउंड में पहले स्थान पर रहीं और 2023 में हांगझोऊ में बनाए अपने 680 अंकों के एशियाई खेलों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया।भारत की एक अन्य तीरंदाज पायल नाग ने 675 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से पांचवां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पहले हाफ में 334 और दूसरे हाफ में 341 अंक बनाए। पायल ने 12 एक्स और 20 बार 10 अंक का निशाना लगाया। शीतल और पायल ने महिला कंपाउंड युगल रैंकिंग राउंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। दोनों ने कुल 1,379 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

22 अक्टूबर से आयोजित होगा सात दिवसीय एमटी-400 चैंपियंस कप टेनिस टूर्नामेंट

एजेंसी

मुरादाबाद। वर्ल्ड टेनिस द्वारा मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन द्वारा 22 अक्टूबर से आयोजित होने वाली सात दिवसीय एमटी-400 चैंपियंस कप टेनिस टूर्नामेंट हेतु रविवार शाम को प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें आयोजकों ने बताया कि यह टूर्नामेंट 22 से 28 अक्टूबर तक ब्रास सिटी जिमखाना, कांठ रोड, अगवानपुर, मुरादाबाद के पास खेला जाएगा। टूर्नामेंट में प्रतिदिन मैच प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक होंगे। अंतरराष्ट्रीय टेनिस संघ द्वारा मनोनीत वाइट बैज रेफरी, एंटन डिसूजा (मुंबई), 21 अक्टूबर को ड्रॉ आदि का कार्य संपन्न कराने के लिए पहुंचेंगे। टूर्नामेंट में अब तक 225 खिलाड़ियों ने अपना नामांकन कराया है, जिनमें लगभग 11 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। यह खिलाड़ी दिल्ली, नागपुर, जोधपुर, बीकानेर, पुणे, मुंबई, केरल, लखनऊ, आसाम, चंडीगढ़, भोपाल, रुद्रपुर, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ आदि शहरों के साथ। कनाडा, जर्मनी, और न्यूजीलैंड जैसे देशों से महिला एवं पुरुष खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट की ख्याति के कारण इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के



पदाधिकारियों ने आगे बताया कि एचएस चड्ढा मेमोरियल टूर्नामेंट हर वर्ष चड्ढा ग्रुप द्वारा गुरजीत सिंह चड्ढा के नेतृत्व में अपने स्वर्गवासी पिता सरदार हरभजन सिंह चड्ढा की स्मृति में कराया जाता है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ टाप रैंकिंग के खिलाड़ी 30 से 75 आयु वर्ग में पुरुष एवं महिला दोनों ही श्रेणी में भाग लेंगे। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के पैट्रन सरदार गुरजीत सिंह चड्ढा, अध्यक्ष संजीव जैन और पदाधिकारी राजीव जैन, डॉ अनुराग अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, बंटी तालान आदि ने मीटिंग में यह निर्णय लिया कि इस टूर्नामेंट के सफल संचालन के लिए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एकजुट होकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया जाएगा। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन संजीव जैन अध्यक्ष, अवनीश रस्तोगी सचिव, गुरजीत सिंह चड्ढा पैटर्न, सदस्य कुलदीप चावला, करनवीर सिहे,राहुल अग्रवाल, डा.संजय शाह, पंकज सक्सेना,मनु शेखर, कुलदीप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

रावण-अंगद संवाद व लक्ष्मण मूर्छा संवाद की लीला का हुआ मंचन

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ग्राउंड नजदीक रेडिसन होटल पश्चिम विहार में आयोजित प्रभु श्रीराम की भव्य लीला में आज रावण- अंगद संवाद व लक्ष्मण मूर्छा की लीला का भव्य मंचन हुआ। पश्चिम विहार रामलीला कमेटी के चेयरमैन योगेश शर्मा टीटू, प्रधान भारत भूषण दुआ व महामंत्री अशवनी बागडी के अनुसार क्षेत्र के जाने माने समाजसेवी एवं रामलीला कमेटी के मुख्य प्रेरणा स्रोत नरेश कुमार ऐरन सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा आज गणेश पूजन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा रामलीला के प्रमुख दृश्य भी मंचित किए गए। आगामी 20 अक्टूबर को भव्य दशहरा महोत्सव मनाया जाएगा। लीला आयोजन में पवन सोनी,राजेंद्र कात्याल, आशीष खंडेलवाल, संजय त्यागी, गौरव अग्रवाल प्रकाश चंद जैन सतीश राम गोयल का विशेष योगदान रहता है। रामलीला कमेटी के महामंत्री अश्वनी बागड़ी ने मंच संचालन किया। उन्होंने कहा कि 1981 से निरंतर रामलीला महोत्सव आयोजित किया जा रहा।



कांग्रेस का ही एक गुट है सीजेपी, देशद्रोहियों को कर रही फंडिंग : भाजपा

नई दिल्ली। कर्नाटक के हुबली से भाजपा विधायक महेश तेंगिनाकाई ने कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का एक इतिहास रहा है लेकिन आज उसकी स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब ऐसे लोगों के साथ हाथ मिलाने की कोशिश कर रही है जो देशविरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'कांग्रस के प्रदेश अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने हुबली में जो बयान दिया है, वह बहुत गलत है। उन्होंने खुलेआम कह दिया है कि जो भी पीएम मोदी के खिलाफ हड़ताल करेगा या आवाज उठाएगा, हम उसे फंडिंग करेंगे और उसके साथ खड़े होंगे। यह कांग्रेस पार्टी का रवैया बन गया है।' भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस का केंद्रीय और राज्य नेतृत्व पूरी तरह से फेल हो चुका है। पार्टी अपने नेतृत्व को फिर से खड़ा नहीं कर पा रही है, इसलिए वह ऐसे लोगों का सहारा ले रही है जो दहशत फैलाने और देशविरोधी काम करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों के साथ हाथ मिलाना और उन्हें फंडिंग करने की बात करना पूरी तरह से गलत है। तेंगिनाकाई ने कहा कि आने वाले दिनों में देश के 140 करोड़ लोग कांग्रेस को इसका करारा जवाब देंगे और उसे सबक सिखाएंगे।

अंकिता भंडारी हत्याकांडः सीबीआई की टीम ने सहारनपुर में उर्मिला सनावर से की पूछताछ

नई दिल्ली। अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम रविवार को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में उर्मिला सनावर के आवास पर पहुंची। उर्मिला सनावर को पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर की पत्नी बताया जाता है। सीबीआई की चार सदस्यीय टीम में एक महिला अधिकारी भी शामिल थीं। इस हाई-प्रोफाइल मामले के संबंध में पूछताछ करने के लिए सीबीआई की टीम सनावर के घर पहुंची। इस हफ्ते की शुरुआत में, सनावर ने नई दिल्ली में अंकिता भंडारी के माता-पिता के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया था। सनावर ने एक वीडियो संदेश के जरिए यह भी मांग की थी कि सीबीआई को मीडिया की मौजूदगी में उनसे पूछताछ करनी चाहिए क्योंकि यह जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी मौजूदा जज की देखरेख में नहीं हो रही है। यह घटना, सीबीआई द्वारा उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित शिवालिक गेस्ट हाउस में पूर्व भाजपा विधायक राठौर से पूछताछ किए जाने के एक दिन बाद सामने आई है।

सीआईएसएफ का ऐतिहासिक पुनर्गठनः देश के क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को मिलेगी नई धार

नई दिल्ली। देश के अति-संवेदनशील और रणनीतिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को और अभेद्य बनाने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) अपनी प्रशासनिक और ऑपरेशनल व्यवस्था में एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव करने जा रहा है। गृह मंत्रालय (एमएचए) की मंजूरी के बाद यह नया ढांचा 1 नवंबर 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएगा। इस पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य सीआईएसएफ की कमान और निगरानी व्यवस्था को अलग-अलग सेक्टर (जैसे- बिजली, कोयला, स्टील, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, बंदरगाह, सरकारी इमारतें, संग्रहालय, स्मारक और मेट्रो) की विशिष्ट सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से ढालना है।

सोनिया विहार में युवक की हत्या की साजिश का पर्दाफाश, दो नाबालिग समेत सात पकड़े गए

पुलिस के मुताबिक, हथियार, कारतूस और बाइक के इंतजाम में अधिकतर भुगतान ऑनलाइन माध्यम से किया गया था।

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार में मनीष यादव (34) की हत्या के मामले में पुलिस ने दो नाबालिग समेत सात आरोपितों को पकड़ा है। पुलिस की जांच में दावा किया गया है कि मनीष की पत्नी से शादी करने की कथित मंशा के चलते उसके परिचित उमेश मौर्य उर्फ मयंक ने उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची। आरोप है कि इसके लिए दो नाबालिगों को दो लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी गई। वारदात को अंजाम देने के लिए पिस्टल, कारतूस और बाइक का इंतजाम किया गया।पुलिस ने एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, दो कारतूस और बाइक बरामद की है। मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के साथ आरोपितों से पूछताछ की।पुलिस के मुताबिक, 13 अक्टूबर की रात करीब 9:10 बजे सोनिया विहार के 4.5 पुश्ते पर एक युवक को गोली मारने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि मनीष यादव को उसके पड़ोसी सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर, सिविल लाइंस ले जा चुके हैं। इलाज के दौरान मनीष की मौत हो गई। शुरुआत में सूचना देने वाले विवेक सिंह (26) ने पुलिस को बताया कि हेलमेट पहने बाइक सवार दो बदमाशों ने मनीष के सिर में बेहद करीब से गोली मारी और फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में सोनिया विहार थाने में हत्या और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया। गवाहों के बयान और घटनाक्रम की पड़ताल में कई विरोधाभास सामने आए। पुलिस के मुताबिक, जांच में पता चला कि उमेश मौर्य ने वारदात से कुछ समय पहले मनीष को घटनास्थल पर बुलाया था। पुलिस के मुताबिक उमेश, मनीष और उसकी पत्नी पहले से एक-दूसरे को जानते थे। उमेश के वैवाहिक संबंधों में तनाव था और तलाक का मामला अदालत में लंबित था। जांच में आरोप लगा कि उमेश मनीष की पत्नी से शादी करना चाहता था और इसी वजह से उसने मनीष की हत्या की योजना बनाई। पुलिस इस कथित साजिश में शामिल सभी लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। उमेश और विवेक ने कथित तौर पर दो नाबालिगों को दो लाख रुपये में हत्या करने के लिए तैयार किया। वारदात में इस्तेमाल पिस्टल उत्तर जिले के झरौड़ा निवासी भीम से लेने और कारतूस उस्मानपुर के एक व्यक्ति से जुटाने की बात सामने आई है। बाइक का इंतजाम भी एक अन्य सहयोगी के जरिए किया गया था, जिसकी पहचान की जांच की जा रही है।

बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। वसंत कुंज में फोर्टिस अस्पताल के पास डीटीसी बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। आरोप है कि छतरपुर की ओर से तेज गति और लापरवाही से आ रही नीले रंग की बस ने बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद बस बाइक सवार को कुचलते हुए महिपालपुर की ओर फरार हो गई। पुलिस ने अज्ञात बस चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 17 अक्टूबर को फोर्टिस अस्पताल के पास मसूदपुर की ओर जाने वाली सड़क पर हादसा हुआ। बाइक सवार अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। इसी दौरान छतरपुर की तरफ से आ रही डीटीसी बस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार सड़क पर गिर गया और बस उसे कुचलते हुए निकल गई। हादसे के बाद चालक बस लेकर महिपालपुर की तरफ भाग गया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। हालांकि, वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान और उम्र के संबंध में पुलिस की ओर से विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। घटनास्थल पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने निरीक्षण किया। टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। वसंत कुंज साउथ थाने में प्राथमिकी संख्या 618/2026 दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है, ताकि दुर्घटना में शामिल बस की पहचान की जा सके। साथ ही फरार चालक का पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

'सेवा संकल्प अभियान' यमुना तट सफाई अभियान के साथ हुआ संपूर्ण

'निगम सभी वार्डों में स्वच्छता संसाधनों को बढ़ा रहा है'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस उनके लोकसेवा के समर्पित 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के समापन दिवस पर रविवार को यमुना तट सफाई अभियान के संपूर्ण हुआ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में और प्रदेशाध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में हजारों भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से यमुना तट सफाई अभियान का आयोजन किया गया है। सरकार की ओर से संयोजन जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने किया और दिल्ली भाजपा की ओर से महामंत्री मोहनलाल गिहारा ने कार्यकर्ता एकत्रीकरण कार्य संभाला गया। दिल्ली भाजपा की सह प्रभारी दर्शना जरदोश के आलावा दिल्ली विधानसभाध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, योगेन्द्र चांदोलिया, प्रवीन खंडेलवाल एवं बांसुरी स्वराज एवं दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल शर्मा, डा. पंकज सिंह एवं रविंद्र इंद्राज सिंह, राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल, राष्ट्रीय मंत्री जय प्रकाश, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों के आलावा विधायक, पार्षद और हजारों कार्यकर्ता यमुना तट स्वच्छता अभियान में सम्मिलित हुए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने गांधी नगर के पास यमुना तट की सफाई



करने एकत्र हुए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा यमुना मैया के सपूतों आज 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान और उनके लोकसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर हम सब यहां यमुना तट पर एकत्रित हुए हैं। ये सिर्फ सफाई अभियान नहीं है, ये सेवा संकल्प है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमें सिखाया - सेवा ही संगठन है। आइए संकल्प लें कि 2030 तक यमुना को हम स्नान करने योग्य बनाएंगे। दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाना है तो यमुना को बचाना होगा। सह-प्रभारी दर्शना जरदोश ने कहा यमुना को मां का दर्जा दिया गया है और मां को गंदा देखकर कौन खुश रह सकता है ? प्रधानमंत्री के सेवा संकल्प से प्रेरणा लेकर आज हमने सफाई की शुरुआत की है। महिलाओं की भूमिका इसमें सबसे अहम है। घर से ही स्वच्छता शुरू होती है। पूजा की सामग्री, प्लास्टिक और कचरा यमुना में न डालें। आइए हम सब मिलकर संकल्प लें कि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ यमुना सौंपेंगे और मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में ये संभव है। दिल्ली भाजपा संगठन महामंत्री पवन राणा ने कहा कि यमुना की दुर्दशा के लिए हम सब जिम्मेदार हैं। सरकार योजनाएं बनाएगी, लेकिन जब तक जनभागीदारी नहीं होगी तब तक बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि वे दिल्ली के प्रत्येक नागरिक से अपील करता है कि नदी को कूड़ेदान न समझें। एक दिन की सफाई से तस्वीर नहीं बदलेगी, सोच बदलनी होगी। स्कूल, कॉलेज, आरडब्ल्यूए और मंदिरों को इस आंदोलन से जोड़ें। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री मोहन लाल गिहारा ने कहा कि यमुना हमारी विरासत है, आज का ये अभियान शुरुआत है, अंत नहीं। दिल्ली सरकार और भाजपा संगठन मिलकर यमुना को प्रदूषण मुक्त करेंगे।

फायरिंग कर रंगदारी मांगने के मामले में चार गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में एक कारोबारी के घर के बाहर फायरिंग कर रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपितों ने कारोबारी को डराने और उससे लाखों रुपये वसूलने की साजिश रची थी। वारदात को अंजाम देने के लिए दो शूटरों को सुपारी देने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें वारदात से जुड़े तकनीकी सबूत मिलने का दावा किया गया है। पुलिस अब फरार शूटरों और साजिश में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक 15 अक्टूबर की रात करीब 12:55 बजे न्यू उस्मानपुर थाने को गली नंबर-9, पहला पुश्ता स्थित एक मकान के बाहर फायरिंग की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो शिकायतकर्ता ने बताया कि वह गांधी नगर कपड़ा मार्केट में टी-शर्ट की थोक दुकान चलाता है। रात में उसने अपने घर के मुख्य गेट पर गोली चलने की आवाज सुनी थी। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर पता चला कि बाइक सवार दो नकाबपोश युवक नाले की तरफ से आए थे। आरोप है कि बाइक पर पीछे बैठे युवक ने घर के अंदर एक वस्तु फेंकी और मुख्य गेट पर गोली चलाने के बाद दोनों पहला पुश्ता की ओर फरार हो गए। बाद में घर के गेट के पास से धमकी भरी एक पर्ची भी मिली। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसे अमेरिका के एक अंतरराष्ट्रीय फोन नंबर से भी कॉल कर रंगदारी मांगी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर सबूत जुटाए। इसके बाद न्यू उस्मानपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2), 326(एफ), 351(2) और 3(5) के अलावा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले की जांच में स्पेशल स्टाफ को भी शामिल किया। टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने की कोशिश की। इसी दौरान फुटेज में मोंटी नाम का एक युवक कथित तौर पर अंगूठे से इशारा करते हुए दिखाई दिया। जांच के दौरान कारोबारी ने पुलिस को बताया कि आकाश उर्फ वीरू पहले उसी इलाके में किराये पर रहता था। आरोप है कि वारदात के बाद आकाश ने कारोबारी से संपर्क किया और लाखों रुपये लेकर मामला सुलझवाने की पेशकश की। इसके बाद पुलिस ने संदिग्धों की गतिविधियों और आपसी संपर्कों की पड़ताल तेज कर दी। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान 16 अक्टूबर को एकांत भाटी उर्फ संजू भाटी उर्फ मास्टरजी (32) को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। हालांकि, तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर कथित रंगदारी की साजिश का खुलासा हुआ।

'गो-दिल्ली फाउंडेशन' की स्थापना को मिली स्वीकृति, स्टार्टअप, नवाचार व उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 'गो-दिल्ली फाउंडेशन' की स्थापना को स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक यह फैसला लिया गया है। यह फाउंडेशन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के अंतर्गत एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में गठित होगा और दिल्ली सरकार के उद्योग विभाग के अंतर्गत कार्य करेगा। इसके माध्यम से सरकार का लक्ष्य विचार से उत्पाद, शोध से उद्यम और स्टार्टअप से बड़े कारोबार तक पहुंचने का एक स्पष्ट मार्ग तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी में स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं, शोधकर्ताओं और उद्यमियों को अपने विचारों को व्यावहारिक उत्पादों और सफल उद्यमों में बदलने के लिए एकीकृत सहयोग उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने फाउंडेशन के लिए 50 करोड़ रुपये की प्रारंभिक बजट राशि देने की प्रतिबद्धता भी जताई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का यह कदम दिल्ली की मौजूदा उद्यमशीलता क्षमता, शैक्षणिक संस्थानों और शोध सुविधाओं को आपस में जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से मान्यता प्राप्त करीब 21 हजार स्टार्टअप हैं। 'गो-दिल्ली फाउंडेशन' के माध्यम से इन क्षमताओं को एक



साझा मंच पर लाकर नए उद्यमों के विकास, निवेश आकर्षित करने और रोजगार के अवसर पैदा करने पर जोर दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि फाउंडेशन के माध्यम से स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को उत्पाद इंजीनियरिंग, प्रोटोटाइप निर्माण, प्रयोगशालाओं और परीक्षण सुविधाओं तक पहुंच बनाने में सहायता मिलेगी। शुरुआती विचारों को बाजार में उतारे जाने योग्य उत्पादों में बदलने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन, मेंटरशिप, इन्क्यूबेशन, व्यावसायिक सहयोग और निवेशकों से संपर्क बनाने की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से उद्यमियों को किसी उत्पाद के विकास से लेकर उसके परीक्षण, प्रमाणन की तैयारी और बाजार तक पहुंच बनाने के विभिन्न चरणों में सहयोग मिल सकेगा।'गो-दिल्ली फाउंडेशन' के जरिए विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को अपने विचारों को वास्तविक उत्पादों और नए उद्यमों में बदलने में मदद मिलेगी। उन्हें प्रोटोटाइप निर्माण, बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित सहायता, इन्क्यूबेशन और उद्योग जगत से जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर रहेगा। इससे शोध संस्थानों में विकसित होने वाली उपयोगी तकनीकों को प्रयोगशालाओं से बाहर लाकर व्यावहारिक इस्तेमाल और व्यावसायिक विस्तार तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है। तकनीकी सहयोग के साथ व्यावसायिक मार्गदर्शन और निवेशकों तक पहुंच मिलने से नवाचारकर्ताओं के लिए अपने उत्पादों को आगे बढ़ाना आसान होगा।

'यमुना का पुनरुद्धार हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है'

'स्वच्छ यमुना के संकल्प को निरंतर कार्यवाही में बदलने का आग्रह किया'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हमने उस नदी को प्रदूषित होने दिया है, जिसने पीढ़ियों से हमारी सभ्यता का पोषण किया है। यमुना ने हमारे खेतों को सींचा है, हमारी आजीविका को सहारा दिया है और हमें जीवन प्रदान किया है। इस नदी को पुनर्जीवित करना केवल अपने प्रति ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति भी हमारा दायित्व है। ये विचार विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को यमुना नदी के तट पर स्थित रैंप नंबर-3, श्याम घाट-3 पर 'चलो यमुना अभियान' के अंतर्गत आयोजित स्वच्छता अभियान में स्थानीय निवासियों एवं स्वयंसेवकों के साथ भाग लेते हुए व्यक्त किए।

श्रमदान में सहभागिता करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने यमुना के पुनरुद्धार के लिए निरंतर जनभागीदारी पर आधारित जनआंदोलन का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि नदी का पुनर्जीवन केवल समय-समय पर



आयोजित होने वाले स्वच्छता अभियानों तक सीमित न रहकर एक साझा नागरिक जिम्मेदारी बनना चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यमुना के पुनरुद्धार की सफलता का आकलन केवल कचरा हटाने के आधार पर नहीं, बल्कि दिल्लीवासियों के दैनिक जीवन में एक स्वच्छ एवं निर्बाध प्रवाह वाली नदी की वापसी के आधार पर किया जाना चाहिए। नदी के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अंतिम लक्ष्य यमुना के तटों और घाटों को ऐसे सुलभ सार्वजनिक स्थलों के रूप में पुनर्जीवित करना होना चाहिए, जहां परिवार एकत्रित हो सकें और आगंतुक इस परिवर्तन को प्रत्यक्ष रूप से देख सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली और देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले लोग यमुना के घाटों पर लौटें और अपनी आंखों से देखें कि सामूहिक संकल्प क्या हासिल कर सकता है। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छ यमुना के संकल्प को निरंतर कार्यवाही में बदलने का आग्रह किया और कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहना चाहिए, जब तक इसके परिणामों में सार्थक एवं स्थायी सुधार स्पष्ट रूप से दिखाई न देने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक राजनीतिक दल या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज का साझा दायित्व है। सरकार, विधानसभा, संबंधित विभागों, संस्थानों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों को इस दिशा में मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि यमुना के पुनरुद्धार का संकल्प तभी सार्थक होगा, जब निरंतर जनभागीदारी सरकारी पहलों को मजबूती प्रदान करेगी और इन प्रयासों का प्रभाव नदी की वास्तविक स्थिति में दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि हमारा सामूहिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ नदी और स्वस्थ पर्यावरण सौंपना होना चाहिए।

जानबूझकर देश का माहौल खराब कर रहे'; अभिजीत दिपके की सशर्त जमानत पर भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के संस्थापक और संयोजक अभिजीत दिपके को सशर्त जमानत मिलने के बाद भाजपा नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन और प्रवक्ता अजय आलोक ने दिपके और उनके संगठन पर त्योहारों के दौरान व्यवस्था बिगाड़ने का आरोप लगाया। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'ये लोग त्योहारों के समय आम जनता को बुरी तरह परेशान कर रहे हैं। नवरात्रि से लेकर दीपावली और छठ तक, पूरे त्योहारों के दौरान लोग खरीदारी करते हैं, दुर्गा पूजा में शामिल होते हैं, रामलीला देखते हैं, गरबा/डांडिया खेलते हैं और पूरा देश उत्सव के माहौल में डूबा रहता है। लेकिन विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करने वाले ये लोग जानबूझकर देश के त्योहारों को खराब करना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'इन्हें पता है कि इन्हें जनता का कोई समर्थन हासिल नहीं है। मुट्ठी भर लोग आते हैं, मीडिया का ध्यान खींचते हैं और



वहां की व्यवस्था बिगाड़कर चले जाते हैं। जब सरकार इनके खिलाफ कार्रवाई करती है, तो ये जमानत बॉन्ड पर दस्तखत करते हैं और फिर अपने वादों को तोड़ देते हैं। ' शाहनवाज हुसैन ने कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ की घटना पर भी दुख जताया। उन्होंने कहा, 'कोलकाता में एक बहुत ही दुखद घटना घटी है, जिसमें 19 लोगों की जान चली गई और कई अन्य लोग घायल हो गए हैं। पश्चिम बंगाल सरकार ने मुआवजे की घोषणा की है। पीड़ितों के परिवारों के लिए दुख की इस घड़ी में, प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि वे उनके साथ खड़े हैं। यह घटना हम सभी के लिए बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली है। ' उन्होंने कहा, 'भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए पश्चिम बंगाल सरकार उचित इंतजाम करने के लिए प्रतिबद्ध है। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान हजारों-लाखों पंडाल लगाए जाते हैं, और पहले कभी ऐसी रुकावटें या दिक्कतें नहीं आती थीं। यह दुखद घटना भारी बारिश के कारण हुई है, और पीड़ितों के परिवारों को हर संभव मदद दी जा रही है। 'पटना में भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने भी कोलकाता भगदड़ पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'यह बेहद दुखद घटना है। श्रद्धालु पूरी तरह भक्ति में लीन थे, तभी यह हादसा हो गया। इससे ज्यादा दर्दनाक और क्या हो सकता है। जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं, और जिनके परिजन घायल हुए हैं, हम उनके साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री कल रात से लगे हुए हैं। गृह मंत्री आज स्वयं गए हैं और घायलों से मुलाकात की है। पूरी कमेटी सस्पेंड कर दी गई है। गिरफ्तारियां भी हुई हैं, लेकिन सभी चीजों के बावजूद जान की कीमत कुछ नहीं हो सकती है। भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो, जिसके लिए कठोर योजना बनेगी। '

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दिपके को मिली जमानत पर टिप्पणी करते हुए अजय आलोक ने कहा, 'उन्हें सशर्त जमानत मिली है कि एक साल तक कोई उपद्रव नहीं करेंगे।

'तुम्हारे बिना CJP आधी सफलता भी हासिल नहीं कर पाती', जेल में बंद सौरव और आशुतोष को याद कर भावुक हुए दिपके

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने जेल में बंद सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका को याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक लंबा संदेश लिखा है। दिपके ने कहा है कि मैं चाहता हूं कि दोनों जल्द वापस आ जाएं। सोशल मीडिया पर आशुतोष और सौरव को संबोधित करते हुए अभिजीत दिपके ने लिखा, 'आज आप दोनों का जेल में छठा दिन है। मैं बता नहीं सकता कि मुझे तुम्हारी कितनी याद आ रही है। पिछले तीन महीनों से मुझे दिन-रात कभी भी आने वाली तुम्हारी ढेरों परेशान करने वाली कॉलों और संदेशों की आदत सी हो गई थी। मैं उनमें से अधिकतर को अनदेखा कर देता था या टाल देता था, क्योंकि मुझे पता था कि मेरे बिना भी तुम दोनों किसी न किसी तरह सब संभाल लोगे और तुम हमेशा ऐसा करते भी थे। 'पिछले तीन महीनों में लोगों ने शायद मुझे सीजेपी के चेहरे के रूप में देखा हो, लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि असल में तुम दोनों ही इसे चला रहे थे, इसे बना रहे थे और सब कुछ एक साथ जोड़े हुए थे। हो सकता है कि सीजेपी को शुरुआत मुझसे अनजाने में हुई हो, लेकिन यह तुम्हारी समझदारी, लगन और हिम्मत ही थी जिसने इसे आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। 'दिपके ने आगे लिखा, 'मुझे सच में नहीं लगता कि तुम दोनों (आशुतोष और सौरव) के बिना सीजेपी अपनी मौजूदा उपलब्धियों का आधा भी हासिल कर पाता। काश, लोग जान पाते कि तुमने इस आंदोलन के लिए खुद को कितना समर्पित किया है, कितनी कुर्बानियां दी हैं और बदले में कभी कोई श्रेय भी नहीं मांगा। आज तुम्हारी हिरासत का आखिरी दिन है और इस समय मेरी बस यही एक इच्छा है कि तुम दोनों आजाद होकर बाहर आ जाओ।